गुस्ताखी माफ

आवारागर्दी करें, खुलकर भैया आप।
चिंता है किस बात की, अगर धनी है बाप।
अगर धनी है बाप, करें फिर जो दिल चाहे।
कॉलेज मेला-शुगल, खपाना सिर फिर काहे।
कह साहिल कविराय, सिर्फ.हैं फीसें भरनी।
बिजनस बापू करे, वही बेटे ने करनी।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

RNI NO PUNBIL/2014/59416 UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 108 | WEDNESDAY 29-04-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

घरों से कूड़ा लिफ्टिंग बंद होने से फैली गंदगी, प्राइवेट कर्मियों पर निगम का जोर नहीं, दूसरे को टेंडर देने से सड़क पर फेंक देते हैं कूड़ा, लोकल बॉडी मंत्री बेखबर

राजदीप सिंह सैनी

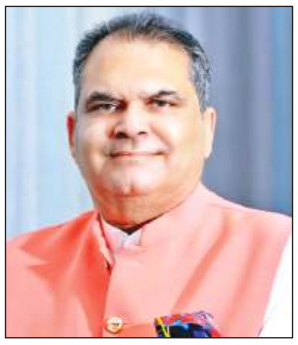

लुधियाना/यूटर्न/28 अप्रैल। लुधियाना में घरों से कूड़ा लिफ्टिंग न होने के कारण लोग बेहद परेशान हो चुके हैं। घरों में गंदगी फैलने के कारण लोग बीमार हो रहे हैं। उसके बावजूद भी पंजाब सरकार और नगर निगम चुप हैं। इस कूड़ा प्रणाली को लेकर कारपोरेशन भी बुरी तरह से फंसी हुई नजर आ रही है। चर्चा है कि घरों से कूड़ा उठाने वाले लोग प्राइवेट हैं, जो नगर निगम के अधीन नहीं आते। जिसके चलते निगम का उन पर बस नहीं चल पा रहा या उन्हें कुछ कहा नहीं जाता। अगर प्राइवेट कंपनी को ठेका दिया जाता है, तो उक्त प्राइवेट लोग तहश में आकर सरकारी ऑफिसों और कभी सड़कों पर कूड़ा गिराकर प्रदर्शन करने लगते हैं। चर्चा है कि इन प्राइवेट कर्मियों द्वारा खुद काम सही ढंग से नहीं किया जा रहा और दूसरों को करने नहीं दे रहे। पिछले कई महीनों से शहरवासी इस समस्या से जूझ रहे हैं। इसका पता होने के बावजूद कारपोरेशन बेबस हैं। 1150 करोड़ का टेंडर लगाने के बावजूद उसे सिरे नहीं चढ़ाया जा रहा। शहरवासियों का कहना है कि अब निगम को 40 लाख आबादी के लिए कड़े निर्णय लेने चाहिए। हालांकि इस पूरे मामले में लोकल बॉडी मंत्री संजीव अरोड़ा भी चुप हैं। लोगों की नजर उन पर है। उनका कहना है कि वह विभाग के मंत्री होने के नाम इस मामले में मजबूती से फैसला लें।

शिकायतों के बावजूद नेता नहीं ले रहे सार

वहीं ढोलेवाल, टिब्बा रोड, विश्वकर्मा कॉलोनी, बस्ती जोधेवाल व न्यू बीआरएस नगर जीएस मेमोरियल स्कूल के पास के लोगों द्वारा गंभीर आरोप लगाए गए हैं। लोगों का कहना है कि उनके घरों में 15-20 दिन बाद कूड़ा उठाने वाले आते हैं। जिससे घरों में गंदगी भरी पड़ी है। कूड़ा उठाने वाले सुबह 5 बजे आ जाएंगे, जिस घर का गेट खुला हुआ उसका कूड़ा उठाया जाएगा, बाकियों का छोड़ देते है। मगर पैसे लेने दोपहर में भी आ जाते हैं। लोगों का आरोप है कि नेताओं को शिकायत करने पर वे हाथ खड़े कर देते हैं। जब चुनाव थे तो कूड़ा लिफ्टिंग और झाड़ू वाले प्राइवेट लगाने का वादा कर वोट लिए थे। मगर अब मुकर गए।

हर महीने 30 से 35 हजार करते हैं इकट्ठा

वहीं बेशक कूड़ा लिफ्टिंग के निगम चार्ज नहीं देता। मगर घरों से कूड़ा उटाने के पैसे जरुरत मिलते हैं। चर्चा है कि वह घरों से 100 से 150 रुपए लेते हैं। जिसके चलते हर महीने प्रति कर्मी 30 से 35 हजार रुपए इकट्ठा कर लेता है। लोग पैसे भी देते हैं, तो भी उन्हें सर्विस नहीं मिल पाती। ऐसे में अब लोगों ने पैसे न देने का मन बना लिया है।

बदसलूकी के भी लग चुके आरोप

वहीं लोगों का कहना है कि कूड़ा उठाते प्राइवेट कर्मियों द्वारा कई बार बदसलूकी से बात की जाती है। कई बार तो वह गली से रेहड़े ऐसे निकालते हैं कि वहां खड़ी कारों की भी तोड़फोड़ कर देते हैं। अगर कोई बोले तो बदसलूकी पर उतर आते हैं। वहीं कई लोगों द्वारा तो दिन में शराब पीकर आने के भी आरोप लगाए गए हैं। लोगों का कहना है कि अगर अब बदसलूकी हुई तो वह बिना डर के शिकायत करेंगे।

टेंडर लगने से पहले ही शुरु हो जाते हैं घोटाले

बता दें कि निगम अधिकारियों द्वारा 1150 करोड़ रुपए का टेंडर एस्टिमेंट बनाया गया था। जिसमें टेंडर लेने वाली कंपनी घरों से कूड़ा उठाएगी, फिर उसे लिफ्टिंग कर डंप तक पहुंचाएगी और आगे प्रोसेसिंग भी करेगी। इस पूरे कार्य के लिए एक ही कंपनी को टेंडर दिया जाना था। एस्टिमेंट मुताबिक आठ साल के लिए टेंडर दिया जाना है। जिसे पास भी कर दिया। लेकिन बाद में खुलासा हुआ कि मौजूदा कूड़ा लिफ्टिंग प्रोसेस से कई गुना ज्यादा दाम पर उक्त टेंडर दिया जा रहा है। टेंडर में भ्रष्टाचार के संकेत थे। जिसके बाद यह पूरा मामला विवादों में पड़ गया। निगम अफसरों ने न तो टेंडर सही करने की सोची और न ही लोगों की परेशानी की चिंता है। अगर टेंडर सही रेट पर लगता तो अब तक कूड़े के परेशानी कब की खत्म हो गई होती।

चंद लोगों के लिए पूरे शहर को विरोधी बना रहे लीडर

शहर में करीब 6000 पक्के व 5000 कच्चे करीब 11000 हजार सफाई कर्मी है। चर्चा है कि निगम हाउस के लीडर इस मामले में इस लिए कुछ बोलने से कतराते हैं, क्योंकि कूड़ा उठाने वाले प्राइवेट लोग उनका वोट बैंक हैं। बुद्धिजीवियों का कहना है कि चंद वोट के कारण हाउस लीडर 40 लाख आबादी को अपना विरोधी बना रहे हैं, क्योंकि कूड़ा न उठने के कारण हर शहरवासी परेशान है। ऐसे में अगर लीडर तरह तरह के बहाने भी लगाए तो भी बच नहीं सकते, क्योंकि जनता ने उन्हें उनके काम कराने को जीताया था। इस लिए आने वाले समय में इसका नुकसान भी उन्हें झेलना पड़ सकता है।

निगम अफसरों-नेताओं को कड़े निर्णय लेने की जरुरत

शहरवासियों का कहना है कि कारपोरेशन को एक बार मजबूत होकर कड़े निर्णय लेना चाहिए। जिससे या तो प्राइवेट लोग खुद रेगुलर कूड़ा उठाना शुरू करें या फिर उन्हें साइडलाइन करके नई कंपनी को टेंडर दिया जाए। अगर कारपोरेशन इस मामले में कदम उठाएगी, तो ही इसका हल हो सकेगा।

ੴ ਸਤਿਨਾਮ ਵਾਹਿਗੁਰੂ

A life of values,vision and virtue.
Forever in our hearts, forever in our prayers.

With profound gratitude and humility, we invite you to join us for the

Bhog Ceremony of S. Surinder Singh Sodhi

Gurdwara Singh Sabha,
Sarabha Nagar, Ludhiana
29th April, 2026 (Wednesday)
1:00 PM - 2:15 PM

WITH LOVE & REMEMBRANCE

- Apinder Pal Singh (Nanu Sodhi) — *Son*
- Sarabpreet Singh (Raju Sodhi) — *Son*
- Gagandeep Kaur — *Daughter*
- Jatinder Singh Sahni — *Son-in-Law*

CAR STUDIO - Sodhi Car Bazaar P. Ltd.
PAP - Property Aligners & Planners

Your presence will be our strength.

Uturn Time 29 Apr 2026_Layout 2 28-04-2026 22:55 Page 2

स्कूली बच्चों की सुरक्षा के साथ समझौता नहीं: पुलिस ने पिंजौर-कालका में जांचीं 30 से अधिक स्कूल बसें, नियमों की अनदेखी पर 2 के चालान

पंचकूला/यूटर्न/28 अप्रैल। सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी को धरातल पर कड़ाई से लागू करने के उद्देश्य से पंचकूला पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। मंगलवार को स्कूली बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस विभाग द्वारा पिंजौर और कालका क्षेत्रों में एक विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत ट्रैफिक पुलिस की विभिन्न टीमों ने सड़कों पर उतरकर 30 से अधिक स्कूल बसों की सघन जांच की, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नौनिहालों का सफर पूरी तरह सुरक्षित है। सूरजपुर ट्रैफिक एसएचओ अभिषेक के नेतृत्व में संचालित इस अभियान के दौरान पुलिस ने बसों के भीतर सुरक्षा मानकों की बारीकी से पड़ताल की। जांच टीम ने विशेष रूप से बसों में फायर एक्सटिंग्विशर (अग्निशमन यंत्र), फर्स्ट एड बॉक्स, स्पीड गवर्नर की कार्यक्षमता और बस के फिटनेस सर्टिफिकेट की जांच की। इसके साथ ही, चालकों के लाइसेंस और उनके सत्यापित दस्तावेजों का भी मिलान किया गया। सघन निरीक्षण के दौरान दो बसों में सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाया गया, जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मौके पर ही उनके चालान काटे।

डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक अमरिंदर सिंह ने स्पष्ट किया कि बच्चों की सुरक्षा पुलिस प्रशासन के लिए सबसे ऊपर है। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी स्कूल बस में सुरक्षा मानकों की अनदेखी या लापरवाही को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्कूल प्रबंधनों को सख्त हिदायत दी कि वे वाहनों के रखरखाव और चालकों के आचरण पर निरंतर नजर रखें ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। पंचकूला पुलिस ने अभिभावकों और स्कूल प्रबंधकों से भी इस दिशा में सहयोग की अपील की है। पुलिस का कहना है कि सुरक्षित यात्रा की जिम्मेदारी केवल प्रशासन की ही नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग की है। अभिभावकों को भी जागरूक रहकर यह देखना चाहिए कि उनका बच्चा जिस वाहन में जा रहा है, वह सुरक्षित है या नहीं।

उड़ान रोकने की चेतावनी: एयर इंडिया, इंडिगो, स्पाइसजेट ने ईंधन की बढ़ती कीमतों के बीच ऑपरेशन रोकने की चेतावनी दी, सरकार से राहत मांगी

चंडीगढ़/यूटर्न/28 अप्रैल। भारत की प्रमुख एयरलाइंस एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट ने सरकार को चेतावनी दी है कि एविएशन सेक्टर बहुत ज्यादा दबाव में है और ऑपरेशन रोकने की कगार पर पहुँच सकता है। PTI की रिपोर्ट के अनुसार, इन एयरलाइंस ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ATF) की कीमतों में राहत और वित्तीय सहायता की मांग की है। ये चिंताएँ वैश्विक तेल की बढ़ती कीमतों के बीच सामने आई हैं, जो पश्चिम एशिया में तनाव और हवाई क्षेत्र पर लगी पाबंदियों के कारण बढ़ी हैं। इन कारणों से ऑपरेशनल लागत बढ़ गई है, खासकर लंबी दूरी की उड़ानों के लिए। ATF किसी भी एयरलाइन के ऑपरेशनल खर्च का लगभग 40 प्रतिशत होता है, जिससे वित्तीय दबाव और बढ़ जाता है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय को 26 अप्रैल को लिखे एक पत्र में, फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (FIA) जो इन तीनों एयरलाइंस का प्रतिनिधित्व करता है, ने जेट फ्यूल की कीमतों में अभूतपूर्व वृद्धि और कच्चे तेल तथा ATF के बीच बढ़ते अंतर को उजागर किया।

असहनीय नुकसान का कारण बनेगी

फेडरेशन ने कहा कि कोई भी तदर्थ मूल्य निर्धारण (घरेलू बनाम अंतर्राष्ट्रीय) और या ATF की कीमत में कोई भी अतार्किक वृद्धि एयरलाइंस के लिए असहनीय नुकसान का कारण बनेगी और विमानों को जमीन पर खड़ा करने (ग्राउंडिंग) की नौबत ले आएगी, जिसके परिणामस्वरूप उड़ानें रद्द करनी पड़ेंगी। फेडरेशन ने आगे कहा, जीवित रहने, टिके रहने और ऑपरेशन जारी रखने के लिए, हम मौजूदा स्थिति से निपटने हेतु तत्काल और सार्थक वित्तीय सहायता के लिए आपके तुरंत हस्तक्षेप का अनुरोध करते हैं।

एयरलाइन उद्योग दबाव में

फेडरेशन ने कहा, भारत में एयरलाइन उद्योग बहुत ज्यादा दबाव में है और बंद होने या अपने ऑपरेशन पूरी तरह से रोकने की कगार पर पहुँच चुका है। उसने पहले के क्रैक बैंड तंत्र के तहत एक पारदर्शी मूल्य निर्धारण ढांचे को लागू करने की मांग की। इंडस्ट्री बॉडी ने ऊँचे राज्य टैक्सों पर भी जोर दिया, और बताया कि दिल्ली जेट फ़्यूल पर 25 प्रतिशत VAT लगाता है, जो देश में सबसे ज्यादा टैक्सों में से एक है, जबकि तमिलनाडु 29 प्रतिशत के साथ इस लिस्ट में सबसे ऊपर है। मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और कोलकाता जैसे दूसरे बड़े एविएशन हब में VAT दरें 16 से 20 प्रतिशत के बीच हैं, और इन सभी का मिलाकर भारत के एयरलाइन ऑपरेशन्स में आधे से ज्यादा हिस्सा है।

ईंधन मूल्य निर्धारण तंत्र लागू करने की मांग

FIA ने सरकार से आग्रह किया है कि वह घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों तरह के ऑपरेशनों के लिए एक समान ईंधन मूल्य निर्धारण तंत्र लागू करे, जैसा कि पहले के 'क्रैक बैंड' ढांचे के तहत होता था। एयरलाइंस ने ATF पर लगने वाले 11 प्रतिशत उत्पाद शुल्क (excise duty) को भी कुछ समय के लिए टालने की मांग की है। पत्र में कहा गया है, संकट-पूर्व की अवधि की तुलना में ATF की कीमतों में हुई असामान्य वृद्धि के साथ-साथ रुपये के अवमूल्यन (कीमतों में और बढ़ोतरी) को भी जोड़ दिया जाए, तो एयरलाइंस के लिए 11 प्रतिशत उत्पाद शुल्क भी कई गुना बढ़ जाता है। यह ATF की कीमत पर एक बड़ा प्रभाव डालता है और एयरलाइंस के लिए बोझ बन जाता है। हालांकि, सरकार ने पिछले महीने घरेलू उड़ानों के लिए ATF की कीमत में वृद्धि की सीमा 15 रुपये प्रति लीटर तय कर दी थी, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए इसमें 73 रुपये प्रति लीटर की भारी वृद्धि देखने को मिली, जिससे नुकसान और बढ़ गया।

कच्चे माल की महंगाई से साइकिल इंडस्ट्री दबाव में, 1 मई से 100 तक बढ़ सकती है कीमत : G13 एसोसिएशन

लुधियाना/यूटर्न/28 अप्रैल। G13 साइकिल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजिंदर जिंदल, महासचिव रोहित पाहवा और समन्वयक उमेश नारंग ने संयुक्त बयान जारी करते हुए बताया कि आज महाराजा रीजेंसी में आयोजित बैठक में साइकिल उद्योग से जुड़े कच्चे माल की लगातार बढ़ती कीमतों पर गंभीर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में स्टील, टायर, ट्यूब, पेंट, केमिकल्स और अन्य आवश्यक कंपोनेंट्स की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई है,

जिससे उत्पादन लागत पर भारी दबाव पड़ा है और उद्योग के लिए स्थिति चुनौतीपूर्ण बनती जा रही है। बयान में कहा गया कि मौजूदा हालात को देखते हुए, अलग-अलग निमार्ता अपनी लागत और बाजार की परिस्थितियों के अनुसार 1 मई 2026 से साइकिलों की कीमतों में लगभग 100 प्रति साइकिल तक बढ़ोतरी पर विचार कर सकते हैं। हालांकि, प्रत्येक निमार्ता अपने स्तर पर स्वतंत्र रूप से मूल्य निर्धारण करेगा। पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बैठक का उद्देश्य बढ़ती लागत के कारण उत्पन्न चुनौतियों की समीक्षा करना और बाजार में गुणवत्तापूर्ण साइकिलों की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना था। उन्होंने भरोसा दिलाया कि G13 साइकिल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन इस कठिन समय में उद्योग और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

पीजीआईएमईआर में 'गुणवत्ता यात्रा' का आयोजन, क्लिनिकल लैब्स में ISO 15189 मान्यता पर जोर

चंडीगढ़/यूटर्न/28 अप्रैल। पीजीआई अस्पताल में क्लिनिकल प्रयोगशालाओं में आइसो 15189 मान्यता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'प्रमोशन ऑफ क्लड 15189 एक्रेडिटेशन इन क्लिनिकल लेबोरेट्रीज' विषय पर 'गुणवत्ता यात्रा' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नेशनल अक्करीडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लबोरतोरीज द्वारा क्वालिटी कौंसिल ऑफ इंडिया के तत्वावधान में, पीजीआईएमईआर के मेडिकल

माइक्रोबायोलॉजी विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिगंबर बहरा, जो नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज के अध्यक्ष और पीजीआईएमईआर के पूर्व डीन रह चुके हैं, ने कहा कि विश्वसनीय डायग्नोस्टिक्स गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि एक्रेडिटेशन केवल प्रमाणन नहीं, बल्कि उत्कृष्टता और मरीजों की सुरक्षा के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता है। इस कार्यक्रम का संयोजन विकास गौतम ने किया, जिन्होंने वर्ष 2014 में मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी विभाग को नेबल मान्यता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वहीं अभिषेक शर्मा और क्यूसीआई टीम ने कार्यक्रम के समन्वय की जिम्मेदारी निभाई। कार्यक्रम में पीजीआईएमईआर और ट्राइसिटी क्षेत्र के संकाय सदस्यों एवं स्वास्थ्य पेशेवरों ने सक्रिय भागीदारी की। इससे क्लिनिकल प्रयोगशालाओं में मान्यता प्रक्रिया को और गति मिलने की उम्मीद जताई गई। इस अवसर पर विशेषज्ञों ने ISO 15189 मान्यता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह प्रयोगशालाओं में जांच की सटीकता, विश्वसनीयता और अंतरराष्ट्रीय मानकों को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

Uturn Time 29 Apr 2026_Layout 2 28-04-2026 22:55 Page 3

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

पेज 06 कुमार संजीव द्वारा गाया जप राधे-राधे भजन का...

पंजाब की राजनीतिः मर्ज बढ़ता जा रहा है ज्यो ज्यो करते हैं दवा

लुधियाना यूटर्न 28 अप्रैल पंजाब की राजनीति में हड़कंप की स्थिति पैदा हो चुकी है 7 सांसदों के भाजपा में जाने के बाद यह राजनीतिक द्वंद आपके में और पुराने नेताओं के बीच शुरू हो चुका है सोशल मीडिया पर कई तरह के चचार्ए आम है चैनल अपने विचार पेश कर रहे हैं राजनीतिक विश्लेषक अलग-अलग एंगल से अपना पक्ष रख रहे हैं पंजाब में विपक्ष मुखर हो चुका है आप के बागी सांसदों से पहले ही कई तरह के बयान विपक्षी नेताओं द्वारा दिए जा रहे हैं कोई कह रहा है कि महाराष्ट्र की तरह ऑपरेशन लोटस यहां भी शुरू हो चुका है अब मौजूदा सरकार के विधायकों पर नजर रखी जा रही है हालांकि पंजाब सरकार ने हर तरह की चचाओं को विराम लगाते हुए कहा है कि यह सब खयाली पुलाव है परंतु भीतर ही भीतर सब नेता सावधान हो गए हैं बैठकों का दौर बढ़ गया है फोन पर आधी रात तक पंजाब के मुद्दों पर ही चर्चा होती रहती है यही स्थिति हर वर्ग के लोगों में देखी जा सकती है परंतु चैन की नींद कोई नहीं सो रहा बल्कि यह कहा जा रहा है कि मर्ज बढ़ता जा रहा है ज्यो ज्यो दवा की जा रही है पंजाब सरकार द्वारा राष्ट्रपति से पहुंच बनाने की कोशिश है जारी है ताकि सांसदों को रीकॉल किया जा सके।

पंजाब की राजनीति पर चर्चा सबसे अधिक क्यों ?

राज्यसभा के सांसदों के भाजपा में ज्वाइन करने के बाद पंजाब की राजनीति पर सबसे अधिक चर्चा हो रही है क्योंकि राघव चड्ढा 60+ विधायकों से करीबी का दावा किया जा रहा है राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी छोड़ भाजपा जॉइन कर ली। इस दौरान चड्ढा के करीबियों के जरिए दावा किया गया कि पंजाब के मौजूदा AAP विधायकों में से 60+ विधायक राघव चड्ढा के संपर्क में हैं। इससे पंजाब में AAP की सरकार को संकट हो सकता है। हालांकि चड्ढा ने इसको लेकर खुलकर कुछ नहीं कहा है। परंतु राजनीतिक विचलेश को का कहना है कि संपर्क होने से क्या होता है जब टिकट बनती गई थी तब राघव चड्ढा ही पंजाब में सबसे अधिक सक्रिय थे लिहाजा हुए सब के संपर्क में आए होंगे

आम आदमी पार्टी में हलचल

वर्तमान समय में पैदा हुए हालात को देखकर आम आदमी पार्टी में भी काफी हलचल दिखाई दे रही है मीटिंग होगा दौर जारी है कल भी कई महत्वपूर्ण मीटिंग होने वाली है मुख्यमंत्री भगवान सिंह मान का कहना है कि जो लोग पार्टी छोड़कर गए हैं उन्होंने तो कभी सरपंच का चुनाव भी नहीं लड़ा और ना ही उनका कोई वोट बैंक है ऐसे में वह पंजाब की राजनीति को प्रभावित नहीं कर सकते फिर सभी विधायक पार्टी के साथ है कोई भी पार्टी छोड़कर जाने वाला नहीं है उन्होंने कहा कि आने वाले समय में उनकी पार्टी पंजाब में फिर से बहुमत पेश करेगी।

AAP ने राज्यसभा सांसद भाजपा की ऑफिशल वेबसाइट पर

AAP सांसद संजय सिंह ने राज्यसभा के सेक्रेटरी जनरल को चिट्ठी लिखकर राज्यसभा के रिकॉर्ड में अअढ सांसदों के नाम के आगे से बिना इजाजत पार्टी का नाम हटाने पर जवाब मांगा। उन्होंने इस मामले की तुरंत जांच और जल्द लिखित जवाब देने का अनुरोध किया है। दूसरी और BJP में शामिल होने वालों में राघव चड्ढा के अलावा अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, संदीप पाठक, विक्रमजीत साहनी, स्वाति मालीवाल और राजेंद्र गुप्ता शामिल हैं। राज्यसभा की ऑफिशियल वेबसाइट पर भी इन सांसदों को इखढ के सदस्यों के रूप में दिखाया गया है। विधायकों के अलावा 9 पूर्व मंत्रियों के नाम भी राघव चड्ढा के संपर्क में होने को लिए जा रहे हैं इन पूर्व मंत्रियों में अनमोल गगन मान, चेतन सिंह जौड़ामजरा, कुलदीप सिंह धालीवाल, ब्रह्म शंकर जिम्पा, बलकार सिंह, इंद्रबीर सिंह निज्जर, फौजा सिंह सरारी, विजय सिंगला के अलावा लालजीत भुल्लर के नाम शामिल हैं। लालजीत भुल्लर डीएम रंधावा सुसाइड केस में जेल में हैं।

क्या राघव चड्ढा सीएम फेस बन सकते हैं ?

चर्चाओं में यह भी सामने आगामी चुनाव में राघव चड्ढा मुख्यमंत्री का चेहरा बन सकते हैं परंतु भाजपा के नेताओं का कहना है कि ऐसा होना मुश्किल है भाजपा में वरिष्ठ नेताओं पूर्व मंत्रियों तथा कार्यकताओं की एक लंबी सूची है बीजेपी कभी भी अपने पुराने नेताओं की अनदेखी नहीं करती हाल ही में नगर निगम चुनावो को लेकर भाजपा ने प्रभारियो की एक सूची बनाई है जिसमें सभी पुराने वरिष्ठ नेताओं को शामिल किया गया है उन्होंने कहा कि भाजपा में कुछ पाने के लिए कुछ बेहद कमाल का करना जरूरी होता है।

संदीप पाठक के पास सब विधायकों का लेखाजोखा

राज्यसभा सांसद डॉ. संदीप पाठक ने भी भाजपा जॉइन की। वह पंजाब में अअढ की स्ट्रेटजी बनाने का काम करते थे। उनके करीबियों का दावा है कि पाठक के पास पंजाब के हर AAP विधायक का बायोडेटा है। इसमें सिर्फ उनका प्रोफाइल ही नहीं बल्कि उनके हर तरह के कामों की जानकारी पाठक को है। यह भी चर्चा है कि AAP की तरफ से जो विधानसभा क्षेत्रवाइज टीम लगाई गई है, उनकी नियुक्ति भी संदीप पाठक ने ही की है। ऐसे में पाठक AAP को झटका दे सकते हैं।

पंचकूला नगर निगम चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न करवाने के लिए पुलिस प्रशासन ने किए बहुस्तरीय सुरक्षा इंतजाम

5 इंटर-स्टेट बॉर्डर नाकों पर 24 घंटे कड़ी नाकाबंदी; दबंगई, भय या चुनावी माहौल खराब

पंचकूला/यूटर्न/28 अप्रैल। आगामी 10 मई को होने वाले पंचकूला नगर निगम चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न करवाने के लिए पुलिस प्रशासन ने व्यापक और बहुस्तरीय सुरक्षा इंतजाम लागू कर दिए हैं। इसी क्रम में डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता ने प्रेस वार्ता के दौरान चुनावी सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए स्पष्ट किया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि पर रोक लगाने के लिए जिला पुलिस पूरी तरह सतर्क और सक्रिय है।

डीसीपी ने बताया कि 13 अप्रैल से जिला में आचार संहिता लागू होने के साथ ही पंजाब, चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश से लगते 5 इंटर-स्टेट बॉर्डर नाकों पर 24 घंटे कड़ी नाकाबंदी शुरू कर दी गई है। इसके अलावा शहर के भीतर भी लगातार औचक चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से अवैध शराब, अवैध हथियार और नशीले पदार्थों की तस्करी पर

कड़ी निगरानी रखी जा रही है, ताकि चुनावी प्रक्रिया किसी भी प्रकार से प्रभावित न हो सके। उन्होंने आगे जानकारी दी कि 13 अप्रैल से ही जिला में भारतीय नागरिक न्याय संहिता की धारा 163 लागू कर दी गई है, जो चुनाव प्रक्रिया समाप्त होने तक प्रभावी रहेगी। इस दौरान ऐसे व्यक्तियों पर विशेष नजर रखी जा रही है, जिनसे शांति व्यवस्था भंग होने या चुनाव को प्रभावित करने की आशंका है। साथ ही ऐसे सभी लाइसेंसी हथियार धारकों को अपने हथियार जमा करवाने के निर्देश दिए गए हैं और ऐसे लोगों को चुनाव अवधि के दौरान किसी को भी हथियार साथ रखने की अनुमति नहीं होगी।

डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने बताया कि आचार संहिता लागू होने के बाद से पुलिस को महत्वपूर्ण सफलताएं भी हासिल हुई हैं। इस दौरान 538 ग्राम हेरोइन, 1 किलो 154 ग्राम चरस और 180 पेटी अवैध शराब बरामद की गई है। इसके अतिरिक्त 2 अवैध देशी कट्टे और 1 जिंदा कारतूस भी पुलिस द्वारा जब्त किए गए हैं। सभी नाकों पर लगातार सघन चेकिंग जारी है और संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि सभी थाना प्रभारियों और चौकी इंचार्ज को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में दबंगई, भय या चुनावी माहौल खराब करने की आशंका वाले तत्वों पर कड़ी निगरानी रखें। संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल गश्त बढ़ाने के भी निर्देश दिए गए हैं, ताकि आम जनता में सुरक्षा की भावना बनी रहे।

डीसीपी ने यह भी बताया कि चुनाव से पहले और मतदान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए बाहरी पुलिस बल की भी आवश्यकता अनुसार तैनाती की जाएगी। चुनाव से तीन दिन पहले सभी नाकों पर अतिरिक्त फोर्स तैनात कर दी जाएगी और मतदान के दिन पहले ही पर्याप्त पुलिस बल की मौजूदगी सुनिश्चित कर दी जाएगी।

अंत में उन्होंने आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन के साथ पूर्ण समन्वय स्थापित कर पंचकूला नगर निगम चुनाव को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करवाया जाएगा तथा किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

डिस्ट्रैक्शन या सियासी रणनीति ? असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के आरोप तेज

नई दिल्ली/यूटर्न/28 अप्रैल। देश की राजनीति में इन दिनों एक नई बहस जोर पकड़ रही है—क्या कुछ मुद्दों को जानबूझकर 'डिस्ट्रैक्शन' बनाया जा रहा है ताकि असली सवालों से जनता का ध्यान हटाया जा सके? इसी कड़ी में Raghav Chadha का नाम चर्चा के केंद्र में आ गया है। कुछ राजनीतिक विश्लेषक उन्हें एक ऐसे चेहरे के रूप में देख रहे हैं, जिनके जरिए बड़े मुद्दों से विमर्श को भटकाया जा रहा है, जबकि समर्थक इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हैं। इसी बीच Ashok Mittal, जो Lovely Professional University के संस्थापक हैं, उनके ठिकानों पर ईडी की छापेमारी ने सियासी तापमान और बढ़ा दिया है। आधिकारिक तौर पर इसे कानूनी प्रक्रिया बताया जा रहा है, लेकिन विपक्षी हलकों में इसे राजनीतिक दबाव की कार्रवाई के तौर पर देखा जा रहा है।

मामले ने एक और संवेदनशील पहलू को जन्म दिया है—राजनीति में परिवार तक कार्रवाई पहुंचने का मुद्दा। लंबे समय से यह धारणा रही है कि राजनीतिक टकराव के बावजूद 'परिवार को निशाना नहीं बनाया जाता', जिसे एक अनकहा 'गोल्डन रूल' माना जाता रहा है। हालांकि हालिया घटनाओं ने इस परंपरा पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। इस पूरे विवाद के बीच अब नजरें फिर से Anti-Defection LÔw पर टिक गई हैं। 1985 में लागू इस कानून का उद्देश्य दल-बदल को रोकना था, लेकिन इसमें मौजूद 'दो-तिहाई (2/3) मर्जर' का प्रावधान आज भी बहस का विषय बना हुआ है। इस प्रावधान के तहत यदि किसी दल के दो-तिहाई विधायक एक साथ पार्टी बदलते हैं, तो उन्हें अयोग्यता से छूट मिल जाती है।

Uturn Time 29 Apr 2026_Layout 2 28-04-2026 22:55 Page 4

पंजाब की गर्लफ्रेंड सीआरपीएफ इंस्पेक्टर की शादी रुकवाने भिवानी पहुंची, बोलीं- धमकियां देकर होटलों में संबंध बनाए

हरियाणा/यूटर्न/28 अप्रैल। पंजाब के मोहाली की युवती ने भिवानी जिले के रहने वाले सीआरपीएफ इंस्पेक्टर पर शादी का झांसा देकर रेप करने का आरोप लगाया है। कहना है कि इंस्पेक्टर अब किसी और लड़की के साथ शादी करने जा रहा है, जिसे रुकवाने के लिए वह पंजाब से भिवानी के तोशाम थाने पहुंची है। उसने बताया कि सोशल मीडिया से वह इंस्पेक्टर के संपर्क में आई। उसे होटल में बुलाकर संबंध बनाए। उसकी अश्लील फोटो और वीडियो बना ली। मिलने से मना करने पर कहता था कि नहीं आई तो मर जाऊंगा। युवती का कहना है कि अब वह 29 अप्रैल को किसी दूसरी लड़की से शादी कर रहा है, जिसे रोकना जरूरी है। आरोप लगाया कि तोशाम पुलिस ने उसकी शिकायत नहीं ली। कह रहे कि सांसद का फोन आया है, जिस वजह से उसे इंस्पेक्टर के घर नहीं जाने दे रहे। इसी वजह से उसने डीसी को ई-मेल के जरिए शिकायत भेजी है।

इंस्पेक्टर ने फेसबुक पर भेजी थी फ्रेंड रिक्वेस्ट

भिवानी डीसी को भेजी शिकायत में युवती ने बताया है कि वह मोहाली की रहने वाली है। उसका फरवरी 2025 में तलाक हो चुका है। वह काफी समय पहले फतेहाबाद में रहती थी। साल 2022 में सीआरपीएफ इंस्पेक्टर की उसके फेसबुक अकाउंट पर फ्रेंड रिक्वेस्ट आई थी। बातचीत शुरू होने पर इंस्पेक्टर ने उसका मोबाइल नंबर ले लिया और वॉट्सएप चैट होने लगी।

14 दिसंबर 2021 को होटल में मिलने बुलाया

आरोप है कि 14 दिसंबर 2022 को इंस्पेक्टर ने उसे फोन किया और कहा कि वह उसे दिल से प्यार करता है और शादी करना चाहता है। यह भी कहा कि अगर वह उससे नहीं मिली तो वह आत्महत्या कर लेगा। युवती का कहना है कि इन्हीं बातों में आकर वह उससे टोललों और अन्य जगहों पर मिलने लगी।

इंस्पेक्टर के झांसे में आकर पति से तलाक लिया

युवती ने बताया है कि इंस्पेक्टर बार-बार होटलों में बुलाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा। न मिलने पर परिवार को जान से मारने और उसकी आपत्तिजनक फोटो व वीडियो वायरल करने की धमकी देता था। साथ ही हर बार उसे विश्वास दिलाता था कि वह उससे ही शादी करेगा। महिला का आरोप है कि इंस्पेक्टर के झांसे में आकर ही उसने अपने पति से फरवरी 2025 में तलाक लिया था।

'अभेद्य' ऐप के साथ 'ड्यूल ओटीपी सिस्टम' की शुरूआत: 'अभेद्य' ऐप से साइबर अपराध, एक्सटॉर्शन कॉल्स और डिजिटल धमकियों पर होगा कड़ा प्रहार

ड्यूल ओटीपी सिस्टम से बिना दोहरी मंजूरी नही होगा कोई ट्रांजेक्शन, सुरक्षा कवच की तरह करेगा काम

पंचकूला/यूटर्न/28 अप्रैल। हरियाणा पुलिस द्वारा साइबर अपराध, धमकी भरे कॉल्स और रंगदारी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से 'अभेद्य' मोबाइल ऐप लॉन्च किया गया है।

यह देश में अपनी तरह का पहला मोबाइल आधारित सुरक्षा प्लेटफॉर्म है, जो नागरिकों को संदिग्ध कॉल्स, धमकी भरे संदेशों, स्टॉकिंग और डिजिटल उत्पीड़न से बचाने में सक्षम होगा। इस पहल के साथ ही हरियाणा देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जहाँ पर इस प्रकार की अनूठी पहल की गई है।

ड्यूल ओटीपी सिस्टम से बढ़ेगी सुरक्षा

इसके साथ ही उन्होंने बताया कि 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए हरियाणा पुलिस द्वारा 'ड्यूल ओटीपी सिस्टम' लागू किया गया है। इस पहल के तहत एचडीएफसी बैंक के अधिकारियों के साथ मिलकर काम किया गया है और प्रारंभिक चरण में 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के खाताधारकों को इसमें शामिल किया गया है जो कि बैंक में जाकर इस सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकते है। इस व्यवस्था के अंतर्गत किसी भी वित्तीय लेन-देन के लिए आने वाला ओटीपी मूल खाताधारक के साथ-साथ उनके परिजन—जैसे बेटे, बेटी या अन्य विश्वसनीय सदस्य—के पास भी भेजा जाएगा। दोनों की पुष्टि के पश्चात ही ट्रांजेक्शन को स्वीकृति दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, खाताधारकों के बैंक लेन-देन की सीमा (ट्रांजेक्शन लिमिट) भी निर्धारित की जाएगी, जिससे किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी की संभावना को न्यूनतम किया जा सके। इस अभिनव व्यवस्था के लागू होने से 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे साइबर अपराधों पर प्रभावी रोक लगेगी। उन्होंने बताया कि विभाग के उच्च अधिकारियों द्वारा इस संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक एवं विभिन्न बैंकों के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर विस्तृत रूपरेखा तैयार की जा रही है।

एक्सटॉर्शन कॉल्स पर सख्त प्रहार

डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता ने प्रेस वार्ता के दौरान ऐप के बारे में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि बदलते समय में अपराधी इंटरनेट आधारित कॉलिंग, फर्जी नंबरों और डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल कर लोगों को डराने और ठगी करने का प्रयास कर रहे हैं, ऐसे में यह ऐप नागरिकों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच साबित होगा। उन्होंने बताया कि देश के भीतर से आने वाली कॉल्स को ट्रेस करना अपेक्षाकृत सरल होता है, जबकि विदेशी नंबरों से आने वाली कॉल्स एक बड़ी तकनीकी चुनौती पेश करती हैं। इसी चुनौती से निपटने के लिए हरियाणा पुलिस के तकनीकी विशेषज्ञों ने सशक्त समाधान विकसित किया और अभेद्य एप के सफल परीक्षण के बाद गत दिनों इसे लॉन्च किया गया है। डीसीपी ने बताया कि यह ऐप एंड्रॉयड एवं एप्पल दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। इस ऐप को डाउनलोड करने के लिए इच्छुक व्यक्ति को पुलिस उपायुक्त कार्यालय, एसीपी कार्यालय, साइबर सेल शाखा, नजदीकी थाना व चौकी को सूचित करना होगा, जिसके उपरांत उसे अधिकृत एक्सेस प्रदान किया जाएगा।

ऐप की कार्यप्रणाली

डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता ने आगे बताया कि 'अभेद्य' ऐप अज्ञात और संदिग्ध नंबरों से आने वाली कॉल्स और संदेशों की पहचान कर उन्हें उपयोगकर्ता तक पहुँचने से पहले ही रोक देता है। यह विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय, वर्चुअल और अनसेव्ड नंबरों की निगरानी करता है तथा संदिग्ध पाए जाने पर कॉल को स्वतः रिजेक्ट कर नंबर को ब्लॉक कर देता है। यह ऐप संदिग्ध चैट, वॉयस मैसेज, नोटिफिकेशन और वॉयस नोट को भी डिवाइस से हटा देता है, जिससे उपयोगकर्ता किसी भी प्रकार के मानसिक दबाव या भय से सुरक्षित रह सके। इतना ही नहीं, विदेशो से आने वाली संदिग्ध कॉल्स पर भी नजर जाएगी। इससे एक तरफ उपयोगकर्ता मानसिक दबाव से दूर रहेगा वही दूसरी तरफ संदिग्ध कॉल करने वाले व्यक्ति को हरियाणा पुलिस द्वारा बैकहैंड से ट्रेस किया जाएगा।

नागरिकों को मिलेगा सीधा लाभ...यह ऐप नागरिकों को धमकी भरे कॉल्स, रंगदारी के प्रयासों और साइबर अपराध से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे अपराधियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले गुमनाम संचार माध्यमों पर रोक लगेगी और उनकी पहचान एवं ट्रैकिंग कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए अधिक आसान हो सकेगी।

पंचकूला नगर निगम चुनाव-2026 के लिए मतदान 10 मई को

पंचकूला/यूटर्न/28 अप्रैल। पंचकूला नगर निगम चुनाव-2026 के लिए मतदान 10 मई 2026 को होना है। 20 वार्डों में 2 लाख 7 हजार 379 मतदाता है, जिसमें 1 लाख 8 हजार 927 पुरूष, 98 हजार 447 महिलाएं और 5 ट्रांसजैंडर शामिल हैं। रिटर्निंग आफिसर ने बताया कि वार्ड नंबर 1 में 5 हजार 713 पुरूष और 4 हजार 977 महिलाएं और 1 अन्य, वार्ड नंबर 2 में 5 हजार 658 पुरूष और 5 हजार 442 महिलाएं, वार्ड नंबर 3 में 4 हजार 857 पुरूष और 4 हजार 645 महिलाएं, वार्ड नंबर 4 में 5 हजार 258 पुरूष और 5 हजार 215 महिलाएं, वार्ड नंबर 5 में 5 हजार 454 पुरूष और 5 हजार 421 महिलाएं, वार्ड नंबर 6 में 4 हजार 359 पुरूष और 4 हजार 349 महिलाएं, वार्ड नंबर 7 में 5 हजार 786 पुरूष और 4 हजार 713 महिलाएं, वार्ड नंबर 8 में 5 हजार 61 पुरूष और 3 हजार 850 महिलाएं, वार्ड नंबर 9 में 4 हजार 675 पुरूष और 4 हजार 341 महिलाएं, वार्ड नंबर 10 में 5 हजार 963 पुरूष, 4 हजार 572 महिलाएं और 1 अन्य, नंबर 11 में 5 हजार 692 पुरूष और 5 हजार 218 महिलाएं, नंबर 12 में 5 हजार 930 पुरूष, 5 हजार 521 महिलाएं, वार्ड नंबर 13 में 5 हजार 940 पुरूष, 5 हजार 558 महिलाएं, वार्ड नंबर 14 में 6 हजार 197 पुरूष, 5 हजार 660 महिलाएं, वार्ड नंबर 15 में 4 हजार 779 पुरूष, 4 हजार 23 महिलाएं, वार्ड नंबर 16 में 5 हजार 778 पुरूष, 5 हजार 220 महिलाएं और 3 अन्य, वार्ड नंबर 17 में 6 हजार 328 पुरूष, 5 हजार 829 महिलाएं, वार्ड नंबर 18 में 5 हजार 610 पुरूष, 4 हजार 930 महिलाएं, वार्ड नंबर 19 में 5 हजार 12 पुरूष, 4 हजार 520 महिलाएं, वार्ड नंबर 20 में 4 हजार 877 पुरूष, 4 हजार 443 महिलाएं शामिल हैं।

उन्होने बताया कि मतदान के लिए 20 वार्डों में कुल 204 बूथ स्थापित किए गए हैं। वार्ड नंबर-1 में 10 बूथ, वार्ड-नंबर 2 में 10 बूथ, वार्ड नंबर 3 में 10 बूथ, वार्ड नंबर 4 में 11 बूथ, वार्ड नंबर 5 में 11 बूथ, वार्ड नंबर 6 में 9 बूथ, वार्ड नंबर 7 में 11 बूथ, वार्ड नंबर 8 में 8 बूथ, वार्ड नंबर 9 में 8 बूथ, वार्ड नंबर 10 में 10 बूथ, वार्ड नंबर 11 में 10 बूथ, वार्ड नंबर 12 में 10 बूथ, वार्ड नंबर 13 में 10 बूथ, वार्ड नंबर 14 में 12 बूथ, वार्ड नंबर 15 में 8 बूथ, वार्ड नंबर 16 में 11 बूथ, वार्ड नंबर 17 में 13 बूथ, वार्ड नंबर 18 में 12 बूथ, वार्ड नंबर 19 में 9 बूथ, वार्ड नंबर 20 में 11 बूथ स्थापित किए गए हैं।

न्यायपालिका पर खुलेआम आरोप लगाकर केजरीवाल व आप नेताओं संवैधानिक व्यवस्था को दी है चुनौती :- तीक्ष्ण सूद

दलजीत अज्नोहा

होशियारपुर /यूटर्न/28 अप्रैल। पूर्व कैबिनेट मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता तीक्ष्ण सूद ने न्यायपालिका के प्रति केजरीवाल के अनचाहे व्यवहार को संविधानिक व्वयस्था को चुनौती देने वाला बताते हुए कहा है कि केजरीवाल तथा आप नेता हमेशा हर बात पर दोहरे मापदंड अपनाने के आदि हो चुके है। सोशल मीडिया व कम्प्यूटर के इस युग में वह भूल जाते है कि उनके द्वारा अपनी कही हुई बात का भी उन्हें बार -बार सामना करने पड़ेगा। जब की उनके खिलाफ न्यायिक मामलो में दुसरा पक्ष किसी केस को बदलने के लिए मांग रखता है तो उसे संविधानिक व्वयस्था की अवज्ञा बताते नहीं थकते। परन्तु अब जब उइक ने उनके हक में हुए फैसले के खिलाफ माननीय हाईकोर्ट ने याचिका दी है तो इस सदमे को न सहते हुए उन्होंने हाईकोर्ट के माननीय न्यायधीश के खिलाफ सरेआम अनगर्ल टिप्पणियां तथा विरोध स्वरूप सत्याग्रह करने की बाते कर है। उन्होंने कहा केजरीवाल तथा आप नेता न्यायिक प्रक्रिया के मामले में कोई व्यकित विशेष नहीं है की उनके लिए अलग से विशेष व्यवस्था की जाए। ताकि वह अपने केस का फैसला अपनी मर्जी के जज के द्वारा करवा सके। केजरीवाल को न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करते हुए हाईकोर्ट के जज न बदलने के फैसले को ऊपर वाली अदालत में चुनौती देनी चाहिए। न की अदालत का बायकाट करना या उसके खिलाफ अनशन शुरू करने की घोषणा करनी चाहिए। ऐसा करने से केजरीवाल न्यायिक प्रणाली की अवमानना तो की है परन्तु न्याय की संवैधानिक प्रक्रिया को भी चुनौती देकर यह बता दिया है की उसके अपने हितों से ऊपर कोई कानून व संविधान नहीं है। उन्होंने मांग की केजरीवाल के खिलाफ न्यायलय की अवमानना की करवाई शुरू की जाए तथा केजरीवाल को अपने इस कृत्य के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।

चंडीगढ़

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

05 बुधवार, 29 अप्रैल 2026

पेज 12 ट्राइसिटी में चोरी-डकैती गिरोह का भंडाफोड़...

हरियाणा के पूर्व मंत्री सुखबीर कटारिया और 5 अन्य पर सरकारी ग्रांट के गलत इस्तेमाल का केस दर्ज

चंडीगढ़/यूटर्न/28 अप्रैल। गुरुग्राम पुलिस ने कोर्ट के आदेश के बाद, सरकारी ग्रांट का कथित तौर पर गलत इस्तेमाल करने के आरोप में, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सुखबीर कटारिया सहित पांच लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत केस दर्ज किया है। यह मामला वीर नगर कॉलोनी में एक घर की मरम्मत के लिए मंजूर की गई करीब 20 लाख रुपये की कथित फर्जी ग्रांट से जुड़ा है। सेक्टर 12 के रहने वाले ओम प्रकाश कटारिया की याचिका पर सुनवाई करते हुए, गुरुग्राम कोर्ट ने इस मामले को गंभीर माना और FIR दर्ज करने का आदेश दिया। एक साल पहले दायर की गई इस याचिका में आरोप लगाया गया था कि सुखबीर कटारिया ने मंत्री रहते हुए, अनंत सिंह, शर्मिला देवी और बसंती देवी के नाम पर दिखाई गई संपत्ति के लिए ग्रांट जारी की थी, जबकि असल में वह घर पूर्व मंत्री के ही नाम पर है।

बिजली बिल समेत कई दस्तावेज किए पेश

कोर्ट में बिजली के बिलों सहित कई दस्तावेज पेश किए गए, जिनसे यह सीधे तौर पर साबित होता था कि वह घर पूर्व मंत्री का ही है। उन्होंने आगे बताया कि कोर्ट ने याचिका का संज्ञान लेते हुए पुलिस से 'एक्शन-टेकन रिपोर्ट' (की गई कार्रवाई की रिपोर्ट) मांगी थी। हालांकि, पुलिस ने दो रिपोर्टें पेश कीं, जिनमें से हर रिपोर्ट में कटारिया को क्लीन चिट दी गई थी। कोर्ट ने पुलिस की रिपोर्ट पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि ग्रांट की पुष्टि तो हुई है, लेकिन उनकी वैधता की ठीक से जांच नहीं की गई।

कोर्ट ने जांच के दिए आदेश

यह देखते हुए कि अगर आरोप सही साबित होते हैं, तो यह एक संज्ञेय अपराध बन सकता है, कोर्ट ने FIR दर्ज करने और निष्पक्ष जांच करने का आदेश दिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि कोर्ट के निर्देशों पर न्यू कॉलोनी पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज कर ली गई है और मामले की विस्तृत जांच चल रही है। कटारिया के अनुसार, इस मामले में दो बार SIT का गठन किया जा चुका है और दोनों ही बार उन्हें क्लीन चिट मिली है। उन्होंने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और वह जांच में पूरा सहयोग करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सरकारी ग्रांट DC और SDM द्वारा सत्यापन के बाद ही जारी की जाती हैं।

एलपीजी सिलेंडर के नए नियम 1 मई से: बुकिंग में बदलाव, ओटीपी के बिना नहीं होगी डिलीवरी

चंडीगढ़/यूटर्न/28 अप्रैल। एलपीजी गैस सिलेंडर बुकिंग के नियमों में 1 मई से बदलाव होने की संभावना है। इन बदलावों से यह प्रभावित हो सकता है कि उपभोक्ता अपने सिलेंडर कैसे और कब बुक करते हैं। नए नियमों में बुकिंग के बीच ज्यादा समय का अंतराल, ओटीपी-आधारित डिलीवरी का अनिवार्य होना, ईकेवाईसी की सख़्त जरूरतें और एलपीजी की कीमत में संभावित बढ़ोतरी शामिल हो सकती है। इन बदलावों का मकसद वितरण व्यवस्था को बेहतर बनाना और दुरुपयोग को कम करना है, लेकिन इनका असर आम यूजर्स पर भी पड़ सकता है। जैसे-जैसे एलपीजी सिलेंडर के नियम 1 मई एक ट्रेंडिंग टॉपिक बनता जा रहा है, घरों को सलाह दी जाती है कि वे नए सिस्टम को पहले से ही समझ लें, ताकि सप्लाई में कोई रुकावट न आए या बुकिंग में देरी न हो।

बुकिंग के बीच का अंतराल बढ़ सकता है

एलपीजी बुकिंग के नियमों में एक अहम बदलाव दो बुकिंग के बीच के इंतजार के समय से जुड़ा है। रिपोर्टों के मुताबिक, उपभोक्ताओं को रिफिल ऑर्डर करने से पहले ज्यादा इंतजार करना पड़ सकता है। शहरी इलाकों में यह अंतराल बढ़कर लगभग 25 दिन हो सकता है, जबकि ग्रामीण इलाकों में यह 45 दिन तक बढ़ सकता है। इसका मतलब है कि घरों को गैस के इस्तेमाल की योजना ज्यादा सावधानी से बनानी होगी।

ओटीपी-आधारित डिलीवरी जारी रहेगी

एलपीजी सिलेंडर के 1 मई से लागू होने वाले नए नियमों के तहत ओटीपी-आधारित डिलीवरी एक सख़्त जरूरत बनने की उम्मीद है। सिलेंडर लेते समय उपभोक्ताओं को डिलीवरी एजेंट के साथ एक 'वन-टाइम पासवर्ड' (ओटीपी) शेयर करना होगा। इस कदम का मकसद यह पक्का करना है कि सिलेंडर सही व्यक्ति तक ही पहुंचे और धोखाधड़ी कम हो।

eKYC अनिवार्य हो सकता है

एलपीजी गैस सिलेंडर बुकिंग के नियमों में एक और बड़ा अपडेट आधार-आधारित ीङ उ पर जोर देना है। उपभोक्ताओं को, खासकर सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को, एलपीजी सेवाएं और सब्सिडी लगातार पाने के लिए ीङ उ पूरा करना पड़ सकता है। इस कदम को नजरअंदाज करने पर सप्लाई में रुकावट आ सकती है।

एलपीजी की कीमत में बढ़ोतरी की संभावना

नियमों में बदलाव के साथ-साथ एलपीजी की कीमत में संभावित बढ़ोतरी पर भी चर्चा हो रही है। हाल के रुझान बताते हैं कि घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में पहले ही लगभग 60 रुपये की बढ़ोतरी हो चुकी है, और सप्लाई की स्थितियों के आधार पर आगे भी बदलाव हो सकते हैं। इन बदलावों में वैश्विक कारक और सप्लाई से जुड़े दबाव भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

PNG की ओर रुझान

पाइप्ड नेचुरल गैस (PNG) की ओर भी धीरे-धीरे रुझान बढ़ रहा है। जिन इलाकों में PNG उपलब्ध है, वहां उपभोक्ताओं को PNG पर स्विच करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है, या समय के साथ इसे अनिवार्य भी किया जा सकता है। कुछ मामलों में, PNG न अपनाने से भविष्य में एलपीजी की सप्लाई पर असर पड़ सकता है।

एलपीजी सिलेंडर कैसे बुक करें

बदलावों के बावजूद, एलपीजी सिलेंडर बुक करना अब भी आसान है। ग्राहक कई तरीकों का इस्तेमाल कर सकते हैं, जैसे हँ३ २अस्रस्र, रटर, मिस्ड कॉल, क्श्फ्र या ऑफिशियल मोबाइल ऐप्स और वेबसाइटें। किसी भी दिक्कत से बचने के लिए, बुकिंग रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से ही की जानी चाहिए। सुरक्षित और सही बुकिंग पक्की करने के लिए,

एमसी चंडीगढ़ ने 'स्वच्छता चैंपियंस' को किया सम्मानित, नागरिकों ने संभाली सफाई अभियान की कमान

चंडीगढ़/यूटर्न/28 अप्रैल। नगर निगम चंडीगढ़ ने सोमवार को शहर में स्वच्छता और जनजागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले समर्पित स्वच्छता दूतों (स्वच्छता चैंपियंस) को सम्मानित किया। निगम ने इन सक्रिय नागरिकों को 'स्वच्छता डूअर्स' के रूप में पहचान देते हुए प्रशंसा पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, विशेष आयुक्त प्रदीप कुमार, संयुक्त आयुक्त डॉ. हिमांशु गुप्ता, डॉ. इन्दर जीत, बलबीर राज सिंह, मुख्य अभियंता संजय अरोड़ा, मेडिकल ऑफिसर हेल्थ डॉ इंदरदीप कौर सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

सम्मानित किए गए नागरिकों में कमलजीत सिंह पांची, प्रवीण दुग्गल, यशपाल यादव, शिखा निजहावन, रश्मि शर्मा, अरविंद सिंह, डॉ. अनुमेहा भगत, शीमा चौधरी और मीनू वाधरा शामिल रहे। इन स्वच्छता दूतों ने होम कंपोस्टिंग, पार्कों और बाजारों में स्वच्छता बनाए रखने तथा कचरा प्रबंधन को लेकर जागरूकता अभियान चलाने जैसे कार्यों के माध्यम से शहर में सफाई व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नगर निगम ने कहा कि इन नागरिकों के प्रयासों ने जनभागीदारी को बढ़ावा दिया है और शहर को स्वच्छ व स्वस्थ बनाने के मिशन को मजबूती दी है। निगम ने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में ऐसे और नागरिक-केंद्रित स्वच्छता अभियान इन स्वच्छता दूतों के सहयोग से चलाए जाएंगे, ताकि लोगों की भागीदारी और अधिक बढ़ सके। नगर निगम ने शहरवासियों से भी अपील की कि वे स्वच्छता अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लें और चंडीगढ़ को स्वच्छ, सुंदर और हरित बनाए रखने में अपना योगदान दें।

बिजली कटौती के खिलाफ आर-पार की जंग

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/28/अप्रैल। पंजाब में बेतहाशा बढ़ रही गर्मी के बीच अघोषित बिजली कटों ने जनता का जीना मुहाल कर दिया है। आम लोगों और व्यापारियों की इसी सुलगती समस्या को लेकर शिरोमणि अकाली दल ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पार्टी की ओर से आगामी 30 अप्रैल को जगरांव स्थित एक्सीयन (एठ) कार्यालय के बाहर विशाल रोष प्रदर्शन और धरना देने का एलान किया गया है।

जनता की आवाज बुलंद करेंगे पूर्व विधायक एस.आर. कलेर:- पार्टी की कोर कमेटी के सदस्य और पूर्व विधायक एस.आर. कलेर ने इस विरोध प्रदर्शन की जानकारी देते हुए प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा: रलगातार लग रहे बिजली कटों के कारण जनता में भारी आक्रोश है। भीषण गर्मी के इस मौसम में रोजमर्रा की जिंदगी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। न घर में सुकून है और न ही व्यापार पटरी पर चल पा रहा है।

Uturn Time 29 Apr 2026_Layout 2 28-04-2026 22:55 Page 6

कुमार संजीव द्वारा गाया जप राधे-राधे भजन का पोस्टर रिलीज

लुधियाना/यूटर्न/28 अप्रैल। लुधियाना के मूल्सन होजरी के नजदीक सराफा बाजार रोड पर समाज सेवक विकास साहन्न की अध्यक्षता में ह्लजप राधे-राधेह्व भजन का पोस्टर रिलीज किया गया। इस मौके पर धार्मिक माहौल के बीच भजन को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। धार्मिक गायक कुमार संजीव की मधुर आवाज में सजे इस भजन को अब लोग सोशल मीडिया के माध्यम से देख और सुन सकेंगे। भजन का संगीत गगन सिद्धू ने दिया है, जबकि इसके लेखक सोनू सागर हैं और वीडियो का निर्देशन करण दुरेजा द्वारा किया गया है। इस अवसर पर कंपनी के रोहित मेहरा, शिव भक्त संजय थापर, समाज सेवक हैप्पी कालड़ा, विनय गुप्ता, बृजेश जैन, गोगा, ऋषभ जैन, दविंदर सिंह लाडी, सचिन जैन, कुमार शम्मी, अतुल थम्मन और सरदार गुरमीत सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ऋतिक साहन्न ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

रूह से रूबरू

जब अपने ही परिवार के सदस्य अप्रिय लगने लगे,

चारू नागपाल

आज के समय में अपनों से ज्यादा पराए अपने क्यों लगने लगे हैं?

आज के आधुनिक समय में लोगों के रिश्तों में काफी बदलाव देखने को मिल रहा है। पहले जहां परिवार और अपने लोग ही सबसे करीब हुआ करते थे, वहीं अब कई बार पराए लोग भी अपने से ज्यादा करीब महसूस होने लगे हैं। इसका एक बड़ा कारण जीवन की तेज रफ्तार और बदलती जीवनशैली है। आजकल लोग अपने काम, कैरियर और व्यक्तिगत लक्ष्यों में इतने व्यस्त हो गए हैं कि उनके पास अपने परिवार के लिए समय ही नहीं बचता। इसी वजह से आपसी बातचीत कम हो गई है और दूरियाँ बढ़ने लगी हैं। वहीं दूसरी ओर, बाहर के लोग-जैसे दोस्त या सहकर्मी-हमारी भावनाओं को समझने लगते हैं क्योंकि हम उनके साथ अधिक समय बिताते हैं। इसके अलावा, कई बार अपने ही लोग हमारी बातों को नजरअंदाज कर देते हैं या हमें समझने की कोशिश नहीं करते। इससे मन में दूरी पैदा होती है। इसके विपरीत, पराए लोग कभी कभी भले किसी स्वार्थ के कारण हमारी बात सुनते तो हैं ही और हमारा साथ देते हैं, जिससे वे अपने जैसे लगने लगते हैं। हालांकि इस कारण लोग हमें प्यार कम हमारा उपयोग अधिक करते है, पर फिर भी भागदौड़ और मतलब की इस दुनिया में मतलब पूरा करने वाले लोग ही अच्छे लगने लगते हैं। अंत में, यह कहना गलत नहीं होगा कि रिश्तों में दूरी का कारण समय और समझ की कमी है। अगर हम अपने लोगों को समय दें और उन्हें समझने की कोशिश करें, तो अपनों की अहमियत फिर से बढ़ सकती है।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

Stridhan क्या होता है और इसे कैसे वापस लिया जा सकता है?

वैवाहिक विवादों में "Stridhan" एक महत्वपूर्ण लेकिन अक्सर गलत समझा जाने वाला विषय है।

Stridhan का अर्थ है—वह संपत्ति, धन, गहने, उपहार या अन्य वस्तुएं जो महिला को विवाह से पहले, विवाह के समय या विवाह के बाद उसे व्यक्तिगत रूप से दी गई हों। यह उसके माता-पिता, रिश्तेदारों, पति या ससुराल पक्ष—किसी की भी ओर से दी जा सकती हैं।

कानून के अनुसार, Stridhan महिला की व्यक्तिगत संपत्ति (exclusive property) होती है, जिस पर केवल उसका ही अधिकार होता है। पति या ससुराल पक्ष उस पर कोई अधिकार नहीं जता सकते।

यदि किसी कारणवश Stridhan महिला को वापस नहीं दिया जाता, तो वह कानूनी कार्रवाई कर सकती है। ऐसे मामलों में आपराधिक शिकायत (criminal complaint) भी की जा सकती है, क्योंकि Stridhan को रोककर रखना "criminal breach of trust" के अंतर्गत आ सकता है।

इसके अलावा, महिला Family Court या अन्य संबंधित अदालत में भी अपने Stridhan की वापसी के लिए आवेदन कर सकती है।

कई बार यह देखा जाता है कि Stridhan और 'दहेज (dowry)' को एक ही समझ लिया जाता है, जबकि दोनों अलग-अलग कानूनी अवधारणाएं हैं।

निष्कर्ष : Stridhan महिला की अपनी संपत्ति है, जिस पर उसका पूर्ण अधिकार होता है। इसे वापस पाने के लिए कानून में स्पष्ट और प्रभावी उपाय उपलब्ध हैं।

श्री खाटू श्याम मंदिर कोहाडा में हरिनाम संकीर्तन की अविरल धारा में भाव विभोर हुए भक्तजन

कोहाड़ा में बना बाबा श्याम का मंदिर उत्तर भारत का बन रहा है प्रसिद्ध मंदिर- विनोद गोयल

चंडीगढ़/यूटर्न/29 मार्च। रोड कोहाडा चौक के समीप नवनिर्मित श्री खाटू श्याम मंदिर में साप्ताहिक व एकादशी पर हरिनाम संकीर्तन ट्रस्टी प्रदीप मित्तल,संदीप अग्रवाल, एल.आर.मित्तल,अनिल मित्तल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।संकीर्तन में श्याम बाबा का गुणगान तुलसी गोयल अबोहर वालो द्वारा किया गया।संकीर्तन से पूर्व आचार्य दीपक पाण्डेय,पंडित करण उपाध्याय, पंडित राज तिवारी एवं पंडित केशव उपाध्याय द्वारा मंत्रोचारण से बाबा श्याम का पूजन किया गया।संकीर्तन में जतिंद्र कुमार, मामिनी गोयल,कपूर परिवार की ओर से बाबा का देशी व विदेशी फूलों से अलौकिक श्रंगार किया गया।जो कि आकर्षण का केंद्र रहा।इस मौके विनोद गोयल ने कहा कि कोहाड़ा में बना बाबा श्याम का मंदिर उत्तर भारत का प्रसिद्ध मंदिर बन रहा है।भक्त लोग हजारों की संख्या में यहां आकर बाबा श्याम के समक्ष अपनी मनोकामना पूर्ति हेतु अर्जी लगाते हैं। संकीर्तन की समाप्ति पर आयोजकों द्वारा आई हुई संगत को भंडारा प्रसाद वितरित किया गया।इस मौके संदीप गोयल,विजय गोयल,मनीष बजारी,परमानंद जी, अतुल वालिया, हरीश गर्ग, सुनील गोयल,विनोद गोयल, राज गुप्ता,दीपक मित्तल,नितिन गर्ग,नरेश अग्रवाल,अभिषेक गुप्ता, जितेंद्र भाटिया जी चंद्रेश भारद्वाज, रजत, दीपका,जतिंद्र तगड़,सुशील अग्रवाल,आदि ने बाबा श्याम के जयकारे लगाए।

सरकारी हाई स्कूल सेक्टर-26 में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को किया सम्मानित

चंडीगढ़/यूटर्न/28 अप्रैल। सरकारी हाई स्कूल सेक्टर-26 में नौवीं और दसवीं कक्षा में उत्कृष्ट अंकों से उत्तीर्ण होने वाले मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान में एक गरिमामयी समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन समस्या समाधान टीम बापूधाम द्वारा किया गया, जिसमें छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रोत्साहित किया गया। समारोह में विशेष रूप से मेवा राम दिलारे , शीशपाल तथा क्रांति शुक्ला उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया और उन्हें निरंतर मेहनत तथा लगन के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

विद्यालय की प्रधानाचार्या सुनीता ने समस्या समाधान टीम बापूधाम के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं और विद्यालयों के संयुक्त प्रयास से बच्चों का भविष्य और अधिक उज्ज्वल बनाया जा सकता है।

मेवाराम दिलेरे ने अपने संबोधन में कहा कि जो विद्यार्थी आज मेहनत और लगन से आगे बढ़ रहे हैं, वही कल समाज और राष्ट्र का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने बच्चों से शिक्षा के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ते रहने का आह्वान किया।

वहीं, शीशपाल ने कहा कि अच्छे अंक केवल परीक्षा का परिणाम नहीं, बल्कि अनुशासन, परिश्रम और समर्पण का प्रतीक होते हैं। उन्होंने हर बच्चे को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया।

क्रांति शुक्ला ने विद्यालय के शिक्षकों, स्टाफ और प्रधानाचार्या की प्रशंसा करते हुए कहा कि विद्यालय परिवार बच्चों को केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, सामाजिक और नैतिक मूल्यों से भी समृद्ध कर रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की मेहनत और समर्पण के कारण ही विद्यार्थी उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त कर रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों और अभिभावकों ने समस्या समाधान टीम बापूधाम के इस प्रेरणादायक प्रयास की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की उम्मीद जताई। समारोह हर्षोल्लास और प्रेरणादायक वातावरण में संपन्न हुआ।

Uturn Time 29 Apr 2026_Layout 2 28-04-2026 22:55 Page 7

कोर्ट केस के बावजूद जमीन पर निर्माण, वी-मार्ट के पीछे अवैध कब्जे का आरोप

जीरकपुर में विवादित खसरा नंबर 976 पर निर्माण, नगर परिषद से कार्रवाई की मांग

जीरकपुर/यूटर्न/28 अप्रैल। वी-मार्ट के पीछे यदविंद्र कॉलोनी के पास स्थित एक विवादित जमीन पर अवैध कब्जे और निर्माण का मामला सामने आया है। बलटाना निवासी ओम प्रकाश ने इस संबंध में नगर परिषद जीरकपुर को लिखित शिकायत देकर प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं।

शिकायत के अनुसार, खसरा नंबर 976 की भूमि को लेकर ह्लजसवंत सिंह बनाम ओम भुवमह्व शीर्षक से मामला डेराबस्सी की अदालत में विचाराधीन है। इसके बावजूद चुहार सिंह नामक व्यक्ति द्वारा कथित रूप से जमीन पर कब्जा कर बिना अनुमति निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। ओम प्रकाश का आरोप है कि यह निर्माण न्यायालय की प्रक्रिया की अवहेलना है। उनका कहना है कि जब मामला अदालत में लंबित है, तब किसी भी प्रकार का निर्माण नियमों के विरुद्ध है, लेकिन इसके बावजूद मौके पर तेजी से निर्माण कार्य जारी है। इससे आसपास के लोगों में रोष और चिंता का माहौल है।

शिकायतकर्ता ने नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी से मांग की है कि मौके का निरीक्षण कर अवैध निर्माण को तुरंत रोका जाए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो निर्माण स्थायी रूप ले सकता है। शिकायत के साथ अवैध निर्माण की तस्वीरें और अदालत से संबंधित दस्तावेज भी संलग्न किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि मामले की अगली सुनवाई 10 जुलाई 2026 को निर्धारित है। ऐसे में अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है।

UAE ने OPEC छोड़ा; वअए के लिए ग्लोबल मार्केट में जगह बनाने का दरवाजा खुला, ग्राहकों के लिए फायदेमंद

लुधियाना/यूटर्न/28 अप्रैल। संयुक्त अरब अमीरात ने मंगलवार को कहा कि वह OPEC छोड़ रहा है। यह तेल उत्पादक देशों के समूह के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि ईरान युद्ध से पैदा हुए अभूतपूर्व ऊर्जा संकट ने खाड़ी देशों के बीच मतभेदों को उजागर कर दिया है।

OPEC के पुराने सदस्य वअए के चले जाने से यह समूह कमजोर पड़ सकता है। यह समूह आम तौर पर भू-राजनीति और उत्पादन कोटे को लेकर अंदरूनी मतभेदों के बावजूद एकजुट होकर काम करने की कोशिश करता रहा है।

ईरान युद्ध की वजह से उत्पादन पर रोक

OPEC के खाड़ी देश 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' के रास्ते तेल निर्यात करने में मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। यह ईरान और ओमान के बीच एक अहम समुद्री रास्ता है, जिससे आम तौर पर दुनिया का पाँचवाँ हिस्सा कच्चा तेल और लिक्विफाइड नेचुरल गैस गुजरता है। लेकिन, ईरान की धमकियों और जहाजों पर हमलों की वजह से इस रास्ते से निर्यात करना मुश्किल हो गया है।

'ऑर्गेनाइजेशन ऑफ द पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज' (डढएउ) और रूस समेत उसके सहयोगी देशों को मिलाकर 'OPEC+' कहा जाता है। वअए इस समूह का चौथा सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश था। युद्ध से पहले, ये सभी देश मिलकर दुनिया के लगभग आधे तेल उत्पादन को नियंत्रित करते थे।

'इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी' ने बताया कि OPEC+ का ग्लोबल तेल उत्पादन में हिस्सा फरवरी के लगभग 48% से घटकर मार्च में 44% रह गया है। अप्रैल में यह हिस्सा और भी कम होने की संभावना है, क्योंकि उत्पादन में कटौती या रोक और भी ज्यादा बढ़ सकती है।

ADCB की मुख्य अर्थशास्त्री मोनिका मलिक ने कहा, ‘जब भू-राजनीतिक हालात सामान्य हो जाएँगे, तो इस फैसले से वअए को ग्लोबल तेल बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का मौका मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि यह फैसला ग्राहकों और पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

UAE ने हाल ही में अमेरिका और इजरायल के साथ अपने रिश्तों को और भी मजबूत किया है। 2020 में हुए 'अब्राहम समझौते' के तहत वअए ने इजरायल के साथ अपने रिश्ते शुरू किए थे। ईरान युद्ध के दौरान हुए हमलों के बाद से इन रिश्तों को और भी ज्यादा अहमियत दी जाने लगी है। वअए, इजरायल के साथ अपने रिश्तों को खाड़ी क्षेत्र में अपना दबदबा बढ़ाने और अमेरिका तक अपनी बात पहुँचाने का एक अहम जरिया मानता है।

ट्रंप की जीत

OPEC से UAE का बाहर निकलना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए एक जीत जैसा है। ट्रंप ने 2018 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिए अपने भाषण में OPEC पर तेल की क'ीमतें बढ़ाकर पूरी दुनिया को लूटने' का आरोप लगाया था।

ऑफिस में बैठे युवकों पर चली ताबड़तोड़ गोलियां, बाइक सवारों ने की वारदात

लुधियाना/यूटर्न/28 अप्रैल। लुधियाना के अमरपुरा में देर रात फील्ड गंज इलाके में बाइक सवार हमलावरों ने एक ऑफिस में बैठे युवकों पर फायरिंग कर दी। फायरिंग के बाद हमलावर तुरंत मौके से फरार हो गए। गनीमत रही कि हमले में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। मामले की सूचना मिलने पर थाना डिवीजन नंबर दो की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक पुलिस के स्पेशल सेल ने एक व्यक्ति को काबू किया है। उससे कड़ी पूछताछ की जा रही है, ताकि मामला क्लियर हो सके। अचानक हुई फायरिंग से इलाके में अफरातफरी मच गई और लोग दहशत में आ गए। फायरिंग के दौरान ऑफिस में मौजूद युवकों ने हिम्मत दिखाते हुए एक हमलावर को मौके पर ही काबू कर लिया। बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। बाकी आरोपी मौके से फरार होने में कामयाब रहे। सूत्रों के अनुसार, यह दोनों गैंग पहले भी शहर में काफी समय तक सक्रिय रहे हैं। हालांकि पुलिस द्वारा इसकी आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की गई।

डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल में करियर कॉन्क्लेव 4.0 का आयोजन

लुधियाना/यूटर्न/28 अप्रैल। लुधियाना में डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, भाई रणधीर सिंह नगर में सोमवार करियर कॉन्क्लेव 4.0 का सफल आयोजन किया गया, जिसने विद्यार्थियों को विभिन्न शैक्षणिक एवं करियर विकल्पों को समझने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया। इस कार्यक्रम में कक्षा बारहवीं के उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों के साथ-साथ कक्षा ग्यारहवीं एवं बारहवीं के छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने उच्च शिक्षा के विभिन्न अवसरों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। कॉन्क्लेव में 13 देशों के 80 से अधिक विश्वविद्यालयों ने भाग लिया, जिनमें लगभग 25 प्रमुख भारतीय संस्थान भी शामिल थे। इस अवसर पर विद्यार्थियों को एक ही स्थान पर वैश्विक शिक्षा का व्यापक दृष्टिकोण प्राप्त हुआ। विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों से सीधे संवाद कर पाठ्यक्रम, प्रवेश प्रक्रिया एवं छात्रवृत्ति से संबंधित अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण आवेदन शुल्क में छूट के वाउचर रहे, जिससे प्रवेश प्रक्रिया विद्यार्थियों के लिए और अधिक सुलभ बन गई।

कुनैल में अवैध माइनिंग पर बड़ी कार्रवाई : 5 टिप्पर समेत मशीनरी जब्त

दलजीत अज्जोहा

होशियारपुर/यूटर्न/28 अप्रैल। पुलिस और माइनिंग विभाग गढ़शंकर की टीम द्वारा गांव कुनैल में स्थित अवैध तौर शिवालिक स्टोन क्रशर पर अवैध माइनिंग के मामले में अचानक रेड की गई। माइनिंग विभाग गढ़शंकर के एसडीओ कम माइनिंग अफसर हरकंवल सिंह, के नेतृत्व में गांव कुनैल में चल रहे अवैध क्रेशर पर देर रात रेड की। एसडीओ हरकंवल सिंह ने बताया की रेड के दौरान नाजायज माइनिंग करते हुए 5 टिप्पर, एक डी.जी. सेट और एक पोकलेन मशीन को कब्जे में लिया गया। उन्होंनों बताया की यह बड़ी कार्रवाई अवैध माइनिंग को रोकने के लिए की गई है। माइनिंग विभाग गढ़शंकर के जूनियर इंजीनियर बताया इस सबंध में एस.एच.ओ गढ़शंकर को पत्र भेज कर एफ.आई.आर दर्ज करने के लिए लिख दिया गया है।

Uturn Time 29 Apr 2026_Layout 2 28-04-2026 22:55 Page 8

वाहन चोर गिरोह पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो आरोपी गिरफ्तार; ई-रिक्शा और एक्टिवा बरामद

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/28 अप्रैल। शहर में मोटर वाहन चोरी की घटनाओं पर लगाम कसने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सेक्टर-49 पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने दो अलग-अलग वाहन चोरी मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी की गई एक ई-रिक्शा और एक होंडा एक्टिवा बरामद की है।

यह कार्रवाई एसएसपी यूटी चंडीगढ़ कंवरदीप कौर के निर्देश, एसपी सिटी के.एम. प्रियंका के मार्गदर्शन और डीएसपी साउथ गुरजीत कौर की निगरानी में थाना सेक्टर-49 के एसएचओ इंस्पेक्टर शेर सिंह के नेतृत्व में की गई।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुमित कुमार मोहाली और शोभित के रूप में हुई है।

ई-रिक्शा चोरी मामले में गिरफ्तारी

पहला मामला ई-एफआईआर नंबर 519/2026 के तहत 26 अप्रैल 2026 को दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता रविंदर सिंह, निवासी सेक्टर-49सी चंडीगढ़ ने पुलिस को बताया कि उनका मयूरी प्रो ई-रिक्शा

(नंबर CH01TE-0231) घर के बाहर पार्किंग से 26 अप्रैल की सुबह करीब 3:30 से 3:45 बजे के बीच चोरी हो गया था।

जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी सुमित कुमार को गिरफ्तार कर चोरी किया गया ई-रिक्शा बरामद कर लिया। वाहन को जब्त कर थाना मालखाने में जमा करा दिया गया है।

एक्टिवा चोरी मामले में भी सफलता

दूसरा मामला ई-एफआईआर नंबर 130/2026 के तहत 1 फरवरी 2026 को दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता रुपाली चोपड़ा, निवासी सेक्टर-63 चंडीगढ़ ने बताया कि उनकी काले रंग की होंडा एक्टिवा (HR01AA-3662) हाउसिंग बोर्ड फ्लैट्स की पार्किंग से चोरी हो गई थी।पुलिस जांच में आरोपी शोभित को गिरफ्तार कर चोरी की गई एक्टिवा भी बरामद कर ली गई। वाहन को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दोनों आरोपियों का कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड नहीं

पुलिस के अनुसार आरोपी सुमित कुमार आठवीं पास है और मजदूरी करता है, जबकि शोभित दसवीं पास है और बुरैल में कपड़ों की दुकान पर सेल्समैन का काम करता है। दोनों आरोपियों का कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है।

पुलिस का कहना है कि दोनों मामलों में आगे की जांच जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपी किसी बड़े वाहन चोरी नेटवर्क से जुड़े हैं या नहीं।

फर्जी ऑनलाइन पेमेंट दिखाकर 68,600 की अंगूठी लेकर फरार

बलटाना में दिनदहाड़े ज्वेलर से ठगी, CCTV में कैद आरोपी

जीरकपुर/यूटर्न/28 अप्रैल। बलटाना स्थित गुरदेव ज्वेलर पर दिनदहाड़े ठगी की वारदात सामने आई है, जहां दो शातिर युवकों ने फर्जी ऑनलाइन पेमेंट का झांसा देकर 68,600 रुपये की सोने की अंगूठी लेकर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके के ज्वेलर्स में दहशत का माहौल है।

QR स्कैन का झांसा देकर शातिरों ने लगाया चूना, ज्वेलर्स में दहशत

जानकारी के अनुसार, दो युवक दुकान पर पहुंचे। एक युवक बाहर मोटरसाइकिल पर बैठा रहा, जबकि दूसरा अंदर आया और दुकानदार से सोने की अंगूठियां दिखाने को कहा। काफी देर तक डिजाइन देखने के बाद उसने 68,600 रुपये की एक अंगूठी पसंद की। इसके बाद युवक ने मोबाइल से क्यूआर कोड स्कैन कर ऑनलाइन पेमेंट करने का नाटक किया और दुकानदार को ट्रांजैक्शन सक्सेस का फर्जी मैसेज दिखा दिया। दुकानदार राहुल वर्मा को भरोसे में लेकर आरोपी अंगूठी लेकर बाहर निकला और अपने साथी के साथ मौके से फरार हो गया। कुछ देर बाद जब दुकानदार ने अपने बैंक खाते की जांच की तो कोई पेमेंट प्राप्त नहीं हुई। तब जाकर ठगी का खुलासा हुआ।

घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। हालांकि समाचार लिखे जाने तक मामला दर्ज नहीं हुआ था। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में आरोपी का चेहरा साफ कैद हो गया है, जिससे उसकी पहचान संभव बताई जा रही है।

इस वारदात के बाद क्षेत्र के ज्वेलर्स में डर का माहौल है। कई दुकानदारों ने कहा कि अब बिना बैंक में पेमेंट कन्फर्म हुए किसी भी ग्राहक को कीमती सामान नहीं दिया जाएगा।

सावधानी जरूरी

ज्वेलर्स को सलाह दी गई है कि केवल मोबाइल स्क्रीन पर दिखाए गए पेमेंट मैसेज पर भरोसा न करें। बैंक खाते में राशि आने की पुष्टि के बाद ही सामान दें। साथ ही, सीसीटीवी और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। दुकान मालिक संदीप वर्मा ने बलटाना चौकी इंचार्ज को घटना की जानकारी दे दी है।

फर्जी वेंडर लाइसेंस बनाकर ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, नकली आईडी कार्ड और लाइसेंस बरामद

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/28 अप्रैल। शहर में असामाजिक तत्वों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सेक्टर-39 पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फर्जी वेंडर लाइसेंस बनाकर रेहड़ी-फड़ी वालों से ठगी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से नकली वेंडर लाइसेंस और फर्जी पहचान पत्र बरामद किए गए हैं।

यह कार्रवाई एसएसपी यूटी चंडीगढ़ कंवरदीप कौर के निर्देश, एसपी सिटी के.एम. प्रियंका के मार्गदर्शन और एसडीपीओ साउथ वेस्ट धीरज कुमार की निगरानी में थाना सेक्टर-39 एसएचओ राजीव कुमार के नेतृत्व में की गई।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान

सेक्टर 41 राजेश कुमार के रूप में हुई है। उसके खिलाफ थाना सेक्टर-39 में FIR नंबर 61 दिनांक 27 अप्रैल 2026 को भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ऐसे करता था ठगी

पुलिस के अनुसार यह मामला नगर निगम चंडीगढ़ की टाउन वेंडिंग कमेटी के सदस्य मुकेश गिरी और नवनीत चावला की शिकायत पर दर्ज किया गया। शिकायत में बताया गया कि सेक्टर-41 में पार्क के सामने सामान बेचने वाले एक वेंडर ने सूचना दी कि एक व्यक्ति खुद को नगर निगम का इंस्पेक्टर बताकर फर्जी वेंडर लाइसेंस जारी कर रहा है। जांच में सामने आया कि आरोपी गरीब रेहड़ी-फड़ी वालों से 1000 से 1500 रुपये लेकर नकली वेंडर लाइसेंस और फर्जी पहचान पत्र जारी करता था। जब इन दस्तावेजों की नगर निगम से पुष्टि कराई गई, तो वे पूरी तरह फर्जी पाए गए।

एक दिन की पुलिस रिमांड

जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी राजेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से एक दिन की पुलिस रिमांड हासिल की गई है।पुलिस के अनुसार आरोपी का अब तक कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड सामने नहीं आया है। मामले में आगे की जांच जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपी ने कितने लोगों को इस तरह ठगी का शिकार बनाया।

चंडीगढ़ में नहीं होगा पानी का संकट, स्मार्ट वाटर मैनेजमेंट से निपटेगा प्रशासन

चंडीगढ़/यूटर्न/28 अप्रैल। बढ़ती आबादी, गिरते भूजल स्तर और जल संकट की चुनौतियों के बीच चंडीगढ़ प्रशासन ने शहर को भविष्य के जल संकट से बचाने के लिए व्यापक और स्मार्ट वॉटर मैनेजमेंट प्लान तैयार किया है। नगर निगम के मुख्य अभियंता संजय अरोड़ा ने सोमवार को इस एक्शन प्लान की समीक्षा करते हुए एक समर्पित 'सिटी वाटर मैनेजमेंट सेल' स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। यह सेल जल प्रबंधन से जुड़े सभी सुधारों को लागू करने, निगरानी करने और भविष्य की रणनीति तैयार करने का काम करेगा। इसके तहत शहर में अनियंत्रित निजी बोरवेल्स पर सख्त नियंत्रण लगाया जाएगा। इसके लिए डिजिटल ग्राउंडवॉटर रजिस्ट्रेशन सिस्टम विकसित किया जाएगा, जिससे हर बोरवेल का पूरा रिकॉर्ड रखा जा सके।

भूजल बढ़ाने पर फोकस...योजना के तहत रिचार्ज वेल, परकोलेशन पिट और शहरी वेटलैंड्स के माध्यम से वर्षा जल को जमीन में पहुंचाकर भूजल स्तर बढ़ाने की रणनीति बनाई गई है। प्रशासन का मानना है कि इससे भविष्य में जल संकट की स्थिति को काफी हद तक रोका जा सकेगा।

प्राकृतिक जल स्रोतों का होगा पुनर्जीवन...शहर की उपेक्षित प्राकृतिक चोएं (नाले) और जलधाराओं को पुनर्जीवित करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। इन्हें स्टॉर्म वॉटर सिस्टम से जोड़कर वर्षा जल को सीधे भूजल रिचार्ज में इस्तेमाल किया जाएगा। इससे जल संरक्षण के साथ-साथ बाढ़ जैसी स्थितियों पर भी नियंत्रण पाया जा सकेगा।

स्मार्ट टेक्नोलॉजी से होगी निगरानी...जल प्रबंधन को और प्रभावी बनाने के लिए स्काडा आधारित स्मार्ट मॉनिटरिंग सिस्टम लागू किया जाएगा, जिससे पूरे जल वितरण नेटवर्क की रियल-टाइम निगरानी संभव होगी। वहीं, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से पानी की मांग का पूर्वानुमान लगाया जाएगा, ताकि जल आपूर्ति अधिक कुशल और संतुलित हो सके।

Uturn Time 29 Apr 2026_Layout 2 28-04-2026 22:55 Page 9

मानहानि मामले में कंगना की बठिंडा कोर्ट में पेशी, 12 मई को अगली सुनवाई

पंजाब/यूटर्न/28 अप्रैल। बठिंडा अदालत में मानहानि के एक मामले में सांसद कंगना रनोट पेशी हुई। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 12 मई की तारीख तय की है। इस दौरान कंगना के पासपोर्ट जब्त करने के मुद्दे पर भी बहस हो सकती है। हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद कंगना को आज बठिंडा कोर्ट में पेश होना था। उनके वकील को मानहानि मामले के मुख्य गवाह, किसान सुरजीत सिंह फूल से सवाल-जवाब करने थे। हालांकि, सुरजीत सिंह फूल खराब सेहत के कारण कोर्ट में पेश नहीं हो सके। माता महिंदर कौर के वकील रघुवीर सिंह बहनीवाल ने बताया कि कंगना रनोट के वकील ने पहले सुरजीत सिंह

की गवाही कराने की बात कही थी। सुरजीत सिंह की अनुपस्थिति के कारण, कंगना रनोट के वकील ने माता महिंदर कौर और एक अन्य गवाह से सवाल-जवाब के लिए अगली तारीख मांगी।

किसान आंदोलन से जुड़ा है मामला

यह मामला किसान आंदोलन से जुड़ा है। दिल्ली में केंद्र सरकार के कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के प्रदर्शन के दौरान, बठिंडा के गांव बहादुरगढ़ जंडिया निवासी बेबे महिंदर कौर ने याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि कंगना रनौत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर महिंदर कौर के खिलाफ एक पोस्ट डाली थी।

महिलाएं धरने पर 100-100 रुपये लेकर आती हैं

इस पोस्ट में उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि ऐसी महिलाएं धरने पर 100-100 रुपये लेकर आती हैं। इसके बाद से महिंदर कौर ने कंगना के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। कुछ समय पहले कंगना रनौत ने सुप्रीम कोर्ट में इस केस को खत्म करने की अपील की थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे खारिज करते हुए उन्हें बठिंडा कोर्ट में पेश होने का निर्देश दिया था।

चंडीगढ़ में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग पर राज्य स्तरीय सम्मेलन, 126 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

चंडीगढ़/यूटर्न/27 अप्रैल। मानव तस्करी के खिलाफ कार्रवाई को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से चंडीगढ़ पुलिस ने मंगलवार को महात्मा गांधी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन , संगम हॉल में राज्य स्तरीय एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग सम्मेलन आयोजित किया। इस सम्मेलन में कुल 126 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि यूटी चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक डॉ. सागरप्रीत हुड्डा रहे। उनके साथ डीआईजी यूटी चंडीगढ़ राजीव रंजन, एसएसपी यूटी चंडीगढ़ कंवरदीप कौर, एसपी प्रियंका, सभी डीएसपी, एसएचओ और इंस्पेक्टर भी मौजूद रहे।

सम्मेलन में चंडीगढ़ कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स , जिला एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, डिप्टी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी, असिस्टेंट पब्लिक प्रॉसिक्यूटर, उउढउफकी चेयरपर्सन शिप्रा बंसल, स्कूल शिक्षा, स्वास्थ्य और श्रम विभाग के अधिकारी भी शामिल हुए। इसके अलावा जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (उहउ), स्नेहालय, नारी निकेतन, ह्यउम्मीदह्ल एनजीओ और जिला युवा विकास संगठन के प्रतिनिधियों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। सम्मेलन के दौरान मानव तस्करी के विभिन्न पहलुओं पर विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा की। पूर्व डीजीपी डॉ. पी. एम. नायर ने मानव तस्करी के बदलते स्वरूप, चुनौतियों और कानून प्रवर्तन की रणनीतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इंटेलिजेंस आधारित पुलिसिंग, अंतरराज्यीय समन्वय और तस्करी नेटवर्क की पहचान पर जोर दिया। स्टेट लीगल सर्विस अथॉरिटी, यूटी चंडीगढ़ के सदस्य सचिव अरुण कुमार अग्रवाल ने पीड़ितों के पुनर्वास और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बचाव के बाद देखभाल, पुनर्वास और समाज में पुनर्स्थापन के लिए संस्थागत सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता बताई।

सेवानिवृत्त डीजीपी डॉ. के. पी. सिंह ने आईपीसी/बीएनएस, आईटीपीए, पॉक्सो एक्ट और जेजे एक्ट के तहत कानूनी प्रावधानों पर चर्चा की। उन्होंने प्रभावी अभियोजन और पीड़ितों के अधिकारों की सुरक्षा पर बल दिया। हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पूर्व सदस्य परमजीत सिंह बडोला ने एनजीओ की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बचाव, पुनर्वास और पीड़ितों की देखभाल में गैर-सरकारी संगठनों की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है।

सम्मेलन में विभागों के बीच बेहतर समन्वय, इंटेलिजेंस साझा करने, पीड़ितों की पहचान, बचाव और पुनर्वास की प्रक्रिया को मजबूत बनाने, कानूनी ढांचे को प्रभावी बनाने और एनजीओ व समुदाय की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। चंडीगढ़ पुलिस के अनुसार, इस सम्मेलन से पुलिस, कानूनी संस्थाओं और कल्याण एजेंसियों के बीच समन्वय बेहतर होगा, जिससे मानव तस्करी के मामलों में तेजी से कार्रवाई और दोषियों के खिलाफ मजबूत अभियोजन संभव हो सकेगा। साथ ही पीड़ितों के लिए अधिक संवेदनशील और प्रभावी सहायता तंत्र विकसित होगा। अधिकारियों ने बताया कि यह सम्मेलन चंडीगढ़ में एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग सिस्टम को और मजबूत करेगा तथा भविष्य में बहु-एजेंसी समन्वित कार्रवाई के लिए एक मॉडल के रूप में कार्य करेगा।

डॉ. अनुभव शर्मा का न्यूयॉर्क के मेमोरियल स्लोन केटरिंग कैंसर सेंटर में फैलोशिप के लिए चयन

लुधियाना, यूटर्न 28 अप्रैल। पंजाब के मेडिकल समुदाय के लिए एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर, दयानंद मेडिकल कॉलेज एंड

हॉस्पिटल (डीएमसीएच), लुधियाना के ऑर्थोपेडिक्स विभाग में कंसल्टेंट डॉ. अनुभव शर्मा को न्यूयॉर्क, अमेरिका के विश्व-प्रसिद्ध मेमोरियल स्लोन केटरिंग कैंसर सेंटर (एमएसकेसीसी) में एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय फैलोशिप के लिए चुना गया है। एमएसकेसीसी को लगातार दुनिया भर में कैंसर के इलाज और अनुसंधान के शीर्ष संस्थानों में से एक माना जाता है। यह कार्यक्रम बहुत अधिक प्रतिस्पर्धी है; इसमें उम्मीदवारों का चयन उनकी शैक्षणिक योग्यताओं, क्लीनिकल अनुभव, अनुसंधान कार्य, पेशेवर उपलब्धियों और विषय ज्ञान के कठोर मूल्यांकन के बाद ही किया जाता है, जिसके लिए साक्षात्कार और बातचीत का सहारा लिया जाता है।

इस अत्यधिक प्रतिस्पर्धी फैलोशिप के लिए डॉ. शर्मा का चयन उनकी क्लीनिकल उत्कृष्टता और विशेष ऑर्थोपेडिक देखभाल को आगे बढ़ाने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। न्यूयॉर्क में अपने कार्यकाल के दौरान, डॉ. शर्मा वैश्विक विशेषज्ञों के साथ मिलकर काम करेंगे, और ऑर्थोपेडिक्स/ऑर्थोपेडिक ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में नवीनतम इनोवेशन और सर्जिकल तकनीकों पर विशेष ध्यान देंगे।

इस अंतरराष्ट्रीय अनुभव से डीएमसीएच में विश्व-स्तरीय विशेषज्ञता वापस आने की उम्मीद है, जिससे रोगी देखभाल के मानकों में अस्पताल की क्षमताओं में और अधिक वृद्धि होगी। इस कार्यक्रम से प्राप्त ज्ञान और विशेषज्ञता, उपचार के एडवांस तरीकों को शुरू करने और शैक्षणिक उत्कृष्टता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। डॉ. शर्मा ने अपनी जड़ों के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की और कहा, न्यूयॉर्क, अमेरिका के मेमोरियल स्लोन केटरिंग में इस फेलोशिप के लिए चुने जाने पर मैं खुद को अत्यंत सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। मैं डीएमसीएच के नेतृत्व का उनके निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त करता हूँ।

डॉ. शर्मा ने आगे कहा, मैं इस अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञता को अपने स्थानीय रोगियों के लिए ठोस लाभों में बदलने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के लिए प्रतिबद्ध हूँ, ताकि उन्हें यहीं अपने शहर में ही विश्व-स्तरीय ऑर्थोपेडिक देखभाल प्रदान की जा सके। डीएमसीएच के सचिव बिपिन गुप्ता ने इस उपलब्धि पर डॉ. शर्मा को बधाई दी, और कहा कि उनके चयन से न केवल संस्थान का, बल्कि पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ा है।

तेज रफ्तार बस ड्राइवर ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, ढाई साल की बच्ची की मौत

लुधियाना/यूटर्न/28 अप्रैल। लाडोवाल में एक तेज रफ्तार बस ड्राइवर ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। जिस कारण रिक्शा

सवार ढाई साल की बच्ची की मौत हो गई। हादसे में परिवार के कई अन्य सदस्य जख्मी हो गए। थाना लाडोवाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसे के बाद आरोपी ड्राइवर फरार हो गया। मृतक बच्ची की पहचान ढ़ाई साल की गुरसिरत कौर के रुप में हुई है। पीड़ित अनमोल सिंह ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ खजूर चौक से ई-रिक्शा में सवार होकर किसी काम से जा रहे थे। लाडोवाल क्षेत्र में पहुंचने पर पीछे से आ रही एक निजी बस ने तेज रफ्तार और लापरवाही से उनके ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार सभी लोग घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद राहगीरों और स्थानीय लोगों ने घायलों को संभाला। उन्हें उपचार के लिए नजदीकी निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने ढाई साल की बच्ची गुरसिरत कौर को मृत घोषित कर दिया। एएसआई मनजीत सिंह ने बताया कि पुलिस ने आरोपी बस ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

Uturn Time 29 Apr 2026_Layout 2 28-04-2026 22:55 Page 10

AAP के राज्यसभा सांसदों का पलायनः आर्थिक झटका संभव, पंजाब में राजनीतिक असर सीमित

चंडीगढ़/यूटर्न/28 अप्रैल। आम आदमी पार्टी (आप) के सात राज्यसभा सांसदों, जिनमें से छह पंजाब से हैं, के हालिया पलायन से पार्टी को आर्थिक झटका लगने की आशंका है, लेकिन राज्य में उसकी राजनीतिक स्थिति पर इसका बड़ा असर पड़ने की संभावना कम मानी जा रही है। इन हाई-प्रोफाइल नेताओं के बाहर जाने से पार्टी के भीतर लंबे समय से चल रहे मतभेद सामने आ गए हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस घटनाक्रम से भारतीय जनता पार्टी को संसद के ऊपरी सदन में मजबूती मिल सकती है।

आर्थिक मोर्चे पर दबाव

राजिंदर गुप्ता, अशोक मित्तल और विक्रमजीत सिंह साहनी जैसे उद्योगपतियों के पार्टी छोड़ने से आप की फंडिंग क्षमता पर असर पड़ सकता है। ये नेता पार्टी के लिए आर्थिक संसाधनों के अहम स्रोत माने जाते थे। उनके जाने से आप के वित्तीय नेटवर्क पर दबाव बढ़ने की आशंका है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह सिर्फ संख्यात्मक नहीं

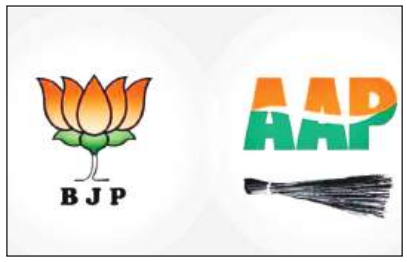

बल्कि रणनीतिक नुकसान भी है, क्योंकि इससे पार्टी की फंड जुटाने की क्षमता कमजोर हो सकती है।

राजनीतिक पकड़ बरकरार

हालांकि, राजनीतिक स्तर पर आप की स्थिति फिलहाल मजबूत दिख रही है। 2022 में सरकार बनाने के बाद पार्टी ने पंजाब में अपना जनाधार बनाए रखा है और उपचुनावों तथा स्थानीय निकाय चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया है। विश्लेषकों के मुताबिक, खासकर ग्रामीण पंजाब में आप की पकड़ मजबूत बनी हुई है। हाल ही में लाए गए एंटी-सेक्रिलेज (धार्मिक अपमान विरोधी) कानून ने भी पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने में मदद की है।

चुनावी असर सीमित

माना जा रहा है कि यह पलायन गुजरात और गोवा जैसे राज्यों में आप के लिए ज्यादा नुकसानदेह हो सकता है, जहां पार्टी फंडिंग के लिए केंद्रीकृत संसाधनों पर ज्यादा निर्भर है। वहीं पंजाब में छोटे दानदाताओं और एनआरआई समुदाय से मिलने वाला समर्थन पार्टी के लिए सहारा बना रह सकता है।

आगे की चुनौतियां

इसके बावजूद, विपक्ष ने इस मुद्दे को लेकर आप पर निशाना साधना शुरू कर दिया है। पार्टी के अंदरूनी हालात और नेतृत्व पर भी सवाल उठ रहे हैं। यह भी आशंका जताई जा रही है कि आगे और असंतोष सामने आ सकता है। फिलहाल, राजनीतिक विश्लेषकों की राय है कि आप को आर्थिक मोर्चे पर दबाव का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन पंजाब में उसकी राजनीतिक जमीन निकट भविष्य में सुरक्षित नजर आती है।

एमसी कमिश्नर अमित कुमार ने धनास का किया सुबह-सुबह दौरा, विकास कार्यों और नागरिक सुविधाओं की समीक्षा

चंडीगढ़/यूटर्न/28 अप्रैल। नगर निगम आयुक्त अमित कुमार ने मंगलवार सुबह धनास क्षेत्र का दौरा कर जमीनी स्तर पर चल रहे विकास कार्यों और नागरिक सुविधाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को लंबित समस्याओं के त्वरित समाधान और विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस निरीक्षण के दौरान उनके साथ मुख्य अभियंता संजय अरोड़ा , मेडिकल ऑफिसर ऑफ हेल्थ डॉ . इंदरदीप कौर , वरिष्ठ निगम अधिकारी तथा क्षेत्र के पार्षद

कुलजीत सिंह संधू भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था, सड़क मरम्मत, सीवरेज, पेयजल आपूर्ति और अन्य बुनियादी सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया गया। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों से जुड़े मुद्दों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य शहर के हर क्षेत्र में बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना और विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करना है। धनास में चल रहे कार्यों की नियमित निगरानी की जाएगी ताकि लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। स्थानीय पार्षद ने भी क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं से आयुक्त को अवगत कराया, जिस पर संबंधित विभागों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

इग्नू क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ में डॉ. बी.आर. अंबेडकर जयंती पर विशेष व्याख्यान आयोजित

पंचकूला/यूटर्न/28 अप्रैल। इंदिरा गाँधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी के क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ में भारत के संविधान निमार्ता और सामाजिक न्याय के प्रबल समर्थक बी. आर. अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन क्षेत्रीय केंद्र परिसर में किया गया, जहां इग्नू चंडीगढ़ के वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक भानु प्रताप सिंह ने डॉ. अंबेडकर के समानता, शिक्षा और सशक्तिकरण के दृष्टिकोण पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर के विचार आज भी समाज के लिए उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके समय में थे। उन्होंने समावेशी विकास, सामाजिक सद्भाव और सभी वर्गों के उत्थान में डॉ. अंबेडकर की भूमिका को रेखांकित करते हुए उनके जीवन, योगदान और अमिट विरासत पर चर्चा की। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों और प्रतिभागियों ने डॉ. अंबेडकर के आदर्शों का अनुसरण करने तथा एक न्यायपूर्ण और समतावादी समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की प्रतिबद्धता जताई।

प्रतिभागियों ने शिक्षा के प्रसार और सभी नागरिकों के लिए समान अधिकारों की वकालत को डॉ. अंबेडकर की सबसे बड़ी प्रेरणा बताते हुए उन्हें अपना आदर्श मानने की बात कही। कार्यक्रम का समापन डॉ. अंबेडकर की समावेशी और प्रगतिशील समाज की परिकल्पना को आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ हुआ।

एसएसआईएचएम में पांच दिवसीय पाक कला कार्यशाला, छात्रों ने दिखाया हुनर

डेराबस्सी/यूटर्न/28 अप्रैल। श्री सुखमनी इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड मैनेजमेंट (एसएसआईएचएम) में अंतर्राष्ट्रीय आतिथ्य दिवस के अवसर पर होटल मैनेजमेंट विभाग की ओर से पांच दिवसीय पाक कला और मॉकटेल कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्रों ने विभिन्न व्यंजनों और पेय पदार्थों को तैयार कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने सूप, चीनी, हैदराबादी और दक्षिण भारतीय व्यंजनों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के मॉकटेल तैयार किए। इन व्यंजनों का मूल्यांकन उद्योग जगत के विशेषज्ञों द्वारा किया गया, जिन्होंने छात्रों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। इससे छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ और उनके कौशल में निखार आया।

यह कार्यक्रम संस्थान के संकाय सदस्यों शेफ अश्विनी, संजीव मनचंदा और मनीष कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। उन्होंने पूरे आयोजन के दौरान छात्रों को प्रशिक्षण दिया और आधुनिक पाक कला की बारीकियों से अवगत कराया। कार्यक्रम में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी रशपाल सिंह, प्रधानाचार्य डॉ. जी.एन. वर्मा, डॉ. कपिल कुमार और डीन डॉ. मुकेश वर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। सभी ने छात्रों के उत्साह और रचनात्मकता की सराहना की। संस्थान के अध्यक्ष कंवलजीत सिंह और निदेशक डॉ. दमनजीत सिंह ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं छात्रों के व्यावहारिक कौशल को विकसित करने और उन्हें आतिथ्य उद्योग में बेहतर करियर के लिए तैयार करने में अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

भाविप के कैंसर शिविर में 316 महिला पुरुषों की हुई जांच

डेराबस्सी/यूटर्न/28 अप्रैल। श्री राम मंदिर में भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा, एकता एजुकेशन सर्विस सोसायटी और प्रीतम सिंह ट्यूबल इंजीनियरिंग कंपनी के प्रयास से वर्ड कैंसर केयर चैरिटेबल समिति जालंधर के डॉ धर्मेंद्र सिंह ढिल्लों की टीम के द्वारा कैंसर जांच शिविर लगाया गया। इसमें 316 महिला पुरुषों के विभिन्न प्रकार के टेस्ट किए गए। कैंप में शुगर, बीपी, आंखों की जांच, हड्डियों की जांच, खून की जांच, ओरल कैंसर की जांच कर दवाइयां और एनके मुफ्त बांटी गई। इस अवसर पर परिषद प्रधान नितिन जिंदल, बरखा राम ने बताया कि सभी टेस्टों की रिपोर्ट 15 दिनों बाद प्राप्त होगी। कैंसर लक्षण या अन्य गंभीर समस्या पाए जाने पर उसका इलाज भी करवाया जाएगा। इस अवसर पर सोमनाथ शर्मा, उपेश बंसल, अश्विनी शर्मा, रविन्द्र वैष्णव, ए के त्यागी, डॉक्टर साधना संगर, प्रीतम सिंह, सुरेश कुमार, विनोद रैना, नरेश मल्होत्रा, सुरिंदर अरोड़ा, नरेंद्र धीमान इत्यादि भी उपस्थित थे।

Uturn Time 29 Apr 2026_Layout 2 28-04-2026 22:55 Page 11

बिजली कटों के विरोध में अकाली दल 30 को करेगा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन: बबली ढिल्लों

बठिंडा में एसडीएम कार्यालय के समक्ष देंगे धरना, रोष मार्च भी निकालेंगे

सोनू टुटेजा

बठिंडा/यूटर्न/28 अप्रैल। प्रदेश में बढ़ते अघोषित बिजली कटों को लेकर शिरोमणि अकाली दल ने आम आदमी पार्टी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए 30 अप्रैल को बठिंडा में रोष मार्च और धरना-प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। यह निर्णय पार्टी की शहरी हलका इकाई की बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता हलका इंचार्ज इकबाल सिंह बबली ढिल्लों ने की। उन्होंने बताया कि राज्य में लगातार लंबे बिजली कट लगाए जा रहे हैं, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में शाम से लेकर देर रात तक 6 घंटे तक बिजली गुल रहने से लोग भीषण गर्मी में भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। ढिल्लों ने आरोप लगाया कि अकाली दल सरकार के कार्यकाल में प्रदेश को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया गया था और कई उत्पादन इकाइयों के माध्यम से राज्य को सरप्लस बिजली की स्थिति में पहुंचाया गया था। लेकिन वर्तमान आम आदमी पार्टी सरकार की नीतियों के चलते अब प्रदेश बिजली संकट से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह

बादल और सांसद हरसिमरत कौर बादल के निर्देश पर मुख्यमंत्री भगवंत मान को जगाने के लिए यह प्रदर्शन किया जा रहा है। 30 अप्रैल को एसडीएम कार्यालय के समक्ष धरना दिया जाएगा और शहर में रोष मार्च भी निकाला जाएगा। जिला प्रेस सचिव ओम प्रकाश शर्मा ने बताया की बैठक में गुरसेवक सिंह मान, यादविंदर सिंह यादी, चमकौर सिंह मान, राजबिंदर सिंह सिद्धू, सुखदेव सिंह बराड़, रोशन ज्ञाना, जगदीप गहरी, जंगीर सिंह, नछत्तर सिंह, बिट्टू महाराज बस्ती, नायब सिंह बराड़, इकबाल सिंह मिठड़ी, बलविंदर सिंह बल्ली, हरतार संधू, प्रितपाल सिंह, रविंद्र सिंह चीमा, सुनील फौजी, नरेंद्र पाल सिंह लाडी, हरमन पाल सिंह रिंका, भोला सिंह, मनिंदर सोढ़ी, गुरबचन खुब्बन, मकखन एमसी, रेशम प्रीत सिंह, लवप्रीत सिंह, रामपाल, टिंकू वर्मा, बंत एमसी, गुरविंदर सिंह, जसविंदर सिंह, बलकार सिंह, मनदीप लाडी, करमजीत पम्मा, कुलदीप सिंह, सुरजीत सिंह, प्रदीप जौड़ा, प्रदीप चोपड़ा आदि भी मौजूद थे।

जीरकपुर में विकास कार्यों की शुरूआत, ट्यूबवेल का शुभारंभ व बस शेल्टर का लोकार्पण

जीरकपुर/यूटर्न/28 अप्रैल। हल्का विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने नगर कौंसिल जीरकपुर के सहयोग से क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए दो अहम विकास परियोजनाओं की शुरूआत और लोकार्पण किया। इन कार्यों से स्थानीय लोगों को पेयजल और परिवहन सुविधाओं में बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर विधायक ने वार्ड नंबर 26, गांव नाभा साहिब में करीब 40.53 लाख रुपये की लागत से नए ट्यूबवेल के कार्य का शुभारंभ किया। यह परियोजना क्षेत्र के निवासियों को स्वच्छ पेयजल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करेगी और लंबे समय से चली आ रही पानी की समस्या को दूर करने में सहायक होगी। इसके साथ ही वार्ड नंबर 28, भबात में करीब 12.50 लाख रुपये की लागत से तैयार आधुनिक बस शेल्टर को लोगों को समर्पित किया गया। यह बस शेल्टर यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक ठहराव की सुविधा प्रदान करेगा और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को भी सुदृढ़ करेगा। इस मौके पर **Kuljit Singh Randhawa** ने कहा कि पंजाब सरकार बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और क्षेत्र के समग्र विकास के लिए ऐसे प्रोजेक्ट लगातार शुरू किए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य तय समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं, ताकि जनता को जल्द लाभ मिल सके। कार्यक्रम के दौरान नगर कौंसिल के अधिकारी, आम आदमी पार्टी के नेता और क्षेत्र के निवासी भी मौजूद रहे।

पंजाब में जल्द बनेगा पंथक गठबंधन, खन्ना में सांसद अमृतपाल के पिता बोले- बेटे को जेल में रखना जबरदस्ती

खन्ना/यूटर्न/28 अप्रैल। पंजाब में खडूर साहिब संसदीय सीट से सांसद अमृतपाल सिंह खालसा के पिता तरसेम सिंह खालसा मंगलवार को लुधियाना के खन्ना पहुंचे। अकाली दल वारिस पंजाब दे पार्टी के संस्थापक तरसेम सिंह ने इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए पंजाब की मौजूदा राजनीतिक स्थिति और पंथक गठजोड़ को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। तरसेम सिंह खालसा ने बताया कि पंजाब में पंथक गठजोड़ के लिए उनकी तालमेल कमेटी लगातार काम कर रही है। अब तक इस संबंध में दो महत्वपूर्ण बैठकें हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि गठजोड़ में शामिल होने वाली विभिन्न पार्टियों के प्रतिनिधियों के सामने शर्तें और सुझाव रखे गए हैं। उन्होंने उम्मीद

जताई कि जल्द ही ये प्रयास सफल होंगे और पंजाब में एक मजबूत पंथक गठजोड़ बनेगा।

बेटे को बिना पुख्ता सबूत जेल में बंद किया गया : तरसेम

उन्होंने केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू द्वारा सांसद अमृतपाल सिंह और उनके साथियों की रिहाई की मांग पर भी प्रतिक्रिया दी। तरसेम सिंह ने कहा कि वे पहले दिन से यह मांग कर रहे हैं कि उनके बेटे और अन्य साथियों को बिना किसी पुख्ता आरोप के जेलों में बंद किया गया है, जो अन्याय है। उन्होंने कहा कि तीन साल बाद राष्ट्रीय सुरक्षा कानून हटाए जाने के बावजूद पंजाब सरकार द्वारा अमृतपाल सिंह को डिब्रूगढ़ जेल में रखना जबरदस्ती और धक्केशाही का प्रतीक है।

जेलों में मानवाधिकारों का पालन कराने की मांग

तरसेम सिंह खालसा ने जेलों के अंदर हो रहे कथित अत्याचार के मामलों को भी गंभीरता से उठाया। उन्होंने कहा कि जेलों में कैदियों के साथ हो रही ज्यादती बर्दाश्त योग्य नहीं है और इस मामले में जेल प्रशासन को तुरंत सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से 'प्रधानमंत्री बाजेके' से जुड़े मामले का जिक्र करते हुए जेलों में मानवाधिकारों का पालन सुनिश्चित करने की मांग की। अंत में उन्होंने कहा कि वे अपने हक और इंसाफ के लिए संघर्ष जारी रखेंगे और किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटेंगे।

पंजाब में 96 जजों का ट्रांसफर, हिमांशु अरोड़ा सिविल जज लुधियाना नियुक्त

पंजाब/यूटर्न/28 अप्रैल। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने न्यायिक व्यवस्था में बदलाव करते हुए बड़ा फैसला लिया है। कोर्ट ने पंजाब के 96 जजों का ट्रांसफर किया है। यह तबादले प्रशासनिक कारणों से किए गए हैं, ताकि अलग-अलग जिलों में न्यायिक कामकाज को बेहतर बनाया जा सके। हाईकोर्ट समय-समय पर ऐसे बदलाव करता रहता है, जिससे मामलों का निपटारा तेज हो और न्याय व्यवस्था सुचारु रूप से चलती रहे। इस फैसले से विभिन्न जिलों की अदालतों में कामकाज को और मजबूत करने में मदद मिलने की उम्मीद है। आदेश के अनुसार हिमांशु अरोड़ा को लुधियाना में सिविल जज (एसडी)/मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं सेक्रेटरी डीएलएसए, सतीश कुमार शर्मा को पायल में अतिरिक्त सिविल जज (सीनियर डिवीजन) लगाया गया। जूनियर डिवीजन में राजनदीप कौर बिलिंग को लुधियाना की जिम्मेदारी सौंपी गई हैं।

श्रिया सारन

श्रिया सारन ने एक बार फिर अपनी ग्लैमरस अदाओं से सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। व्हाइट शर्ट ड्रेस में बेहद खूबसूरत नजर आ रहीं श्रिया ने अपने फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा दी हैं। गोल्डन बंगल्स और हूप इयररिंग्स के साथ श्रिया का यह लुक मेकअप रूम से वायरल हो रहा है। साउथ की इस हसीना ने साबित कर दिया कि उम्र उनकी खूबसूरती को छू भी नहीं सकती। श्रिया सारन के इस लेटेस्ट फोटो को देखकर फैंस कह रहे हैं — 'आप तो उम्र से परे हैं मैडम!'

Uturn Time 29 Apr 2026_Layout 2 28-04-2026 22:55 Page 12

ट्राइसिटी में चोरी-डकैती गिरोह का भंडाफोड़, पांच आरोपी गिरफ्तार

लालडू पुलिस की बड़ी कार्रवाई, कई वारदातों में शामिल गैंग दबोचा

डेराबस्सी/यूटर्न/28 अप्रैल। पंजाब में चलाए जा रहे 'वार अगेंस्ट क्रिमिनल्स' अभियान के तहत एसएएस नगर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। डेराबस्सी सब-डिवीजन पुलिस ने ट्राइसिटी क्षेत्र में सक्रिय चोरी और लूटपाट करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसएसपी हरमंदेप सिंह हंस (आईपीएस) ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी कई आपराधिक मामलों में वांछित थे। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपियों की पहचान अजय कुमार निवासी मिर्च मंडी राजपुरा, नसीब कुमार उर्फ माल्टा निवासी ढेहा कॉलोनी लालडू, साजन उर्फ बिंदर निवासी खटीक मोहल्ला बनूड़, गोपी उर्फ सिल्लू निवासी ढेहा कॉलोनी लालडू और विक्की उर्फ सागर निवासी मिर्च मंडी राजपुरा के रूप में हुई है।

एसएसपी ने बताया कि आरोपी विक्की उर्फ सागर और अजय कुमार पर पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। दोनों पर क्रमशः नौ और दस केस दर्ज हैं, जिनमें डकैती, चोरी, स्नैचिंग और एनडीपीएस एक्ट के मामले शामिल हैं। वहीं गोपी उर्फ सिल्लू पर भी स्नैचिंग का एक मामला दर्ज है।

दुकान में लूट, दुकानदार को बंधक बनाकर पीटा

पुलिस जांच में सामने आया कि 20-21 अप्रैल की रात को एक इलेक्ट्रिकल दुकान में लूट की वारदात को अंजाम दिया गया था। आरोपी ऑटो-रिक्शा और मोटरसाइकिल पर सवार होकर पहुंचे थे। उन्होंने दुकान से पानी की मोटर, बैटरियां, केबल सहित अन्य सामान चोरी कर लिया। इस दौरान दुकानदार की आंखों पर पट्टी बांधकर उसकी बेरहमी से पिटाई भी की गई। इस मामले में 22 अप्रैल को बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर विशेष टीम गठित की गई। एसपी (रूरल) मनप्रीत सिंह और एसपी डेराबस्सी बिक्रमजीत सिंह बराड़ की निगरानी में इंस्पेक्टर योगेश कुमार (एसएचओ लालडू) के नेतृत्व में टीम ने तकनीकी और खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए 26 अप्रैल को गैस प्लांट आलमगीर के पास से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में खुलासा, दो और आरोपी गिरफ्तार

प्रारंभिक पूछताछ में तीनों आरोपियों ने अपने साथियों गोपी उर्फ सिल्लू और विक्की उर्फ सागर के शामिल होने का खुलासा किया। इसके बाद पुलिस ने 27 अप्रैल को दोनों को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है।

देर रात करते थे वारदात, पहले करते थे रेकी

जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह देर रात दुकानों को निशाना बनाता था। वारदात से पहले आरोपी इलाके की रेकी कर कमजोर दुकानों को चुनते थे। पुलिस का मानना है कि इनकी गिरफ्तारी से कई अन्य मामलों का भी खुलासा हो सकता है। फिलहाल पुलिस चोरी किए गए सामान की रिकवरी और गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है। एसएसपी ने कहा कि जिला पुलिस आम जनता की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

गांव दरिया में गंदे पानी से हड़कंप: पूर्व डिप्टी मेयर अनिल दुबे खुद पहुंचे मौके पर, अधिकारियों को लगाई फटकार

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/28 अप्रैल। वार्ड-9 के गांव दरिया में पीने के पानी के साथ गंदे और दूषित पानी की सप्लाई से लोगों में भारी नाराजगी फैल गई है। लगातार शिकायतों के बाद पूर्व डिप्टी मेयर **Anil Kumar Dubey** ने मंगलवार को खुद मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और नगर निगम अधिकारियों को तुरंत समाधान के निर्देश दिए।

गांव दरिया के निवासियों ने बताया कि पिछले कई दिनों से घरों में गंदा, बदबूदार और दूषित पानी आ रहा है, जिससे लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हो गया है। सबसे ज्यादा चिंता बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के स्वास्थ्य को लेकर है। लोगों का कहना है कि इस पानी का उपयोग पीने तो दूर, घरेलू कामों के लिए भी मुश्किल हो गया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अनिल दुबे ने निगम अधिकारियों और स्थानीय लोगों के साथ पूरे क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने साफ कहा कि नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की पहली जिम्मेदारी है और इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों को मौके पर ही जल आपूर्ति व्यवस्था की जांच करने, पाइपलाइन में संभावित लीकेज और सीवरेज मिश्रण की संभावना की जांच करने तथा तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए। अनिल दुबे ने कहा, 'आज ही इस समस्या का समाधान कर नगरवासियों को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने की कोशिश की जाएगी। लोगों की सेहत से जुड़ा यह मुद्दा है, इसलिए इसमें देरी बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगी।' स्थानीय निवासियों ने भी पूर्व डिप्टी मेयर के सामने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि कई बार शिकायतों के बावजूद स्थायी समाधान नहीं किया गया। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि केवल अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी समाधान किया जाए। निगम अधिकारियों ने मौके पर निरीक्षण के बाद जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया। अब लोगों की नजर इस बात पर टिकी है कि प्रशासन कब तक इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान करता है।

एक वर्ष में 108 एम्बुलेंस सेवा ने 1.93 लाख से अधिक आपातकालीन मामलों को पेश की सेवा

अशोक सहगल

लुधियाना यूटर्न 24 अप्रैल। जेनप्लस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित पंजाब की 108 एम्बुलेंस सेवा ने अप्रैल 2025 से मार्च 2026 के दौरान 1,93,698 आपातकालीन मामलों को संभालते हुए राज्य में त्वरित आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह आंकड़े सेवा की व्यापक पहुंच और विभिन्न जिलों में प्रभावी कार्यप्रणाली को दशार्ते हैं।इस अवसर पर प्रोजेक्ट हेड मनीष बत्रा ने कहा, 108 एम्बुलेंस सेवा पंजाब भर में तेज, विश्वसनीय और पेशेवर आपातकालीन देखभाल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने बताया कि कुल मामलों में 74,570 मेडिकल इमरजेंसी सर्वाधिक रही, जबकि 50,993 गर्भावस्था संबंधी मामलों में सेवा ने गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित परिवहन और समय पर सहायता प्रदान की। इसके अलावा 26,908 सड़क दुर्घटना और 21,881 कार्डियक इमरजेंसी मामलों में भी 108 सेवा ने त्वरित जीवनरक्षक हस्तक्षेप किया। वहीं 19,346 अन्य आपातकालीन मामलों में भी प्रशिक्षित ईएमटी और कुशल पायलटों द्वारा सहायता दी गई।

जिला स्तर पर लुधियाना में सर्वाधिक 26,429 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद जालंधर (16,809), एस.ए.एस. नगर (16,284), अमृतसर (14,964) और पटियाला (14,793) में बड़ी संख्या में सेवाएं दी गई। वहीं होशियारपुर (10,167), बठिंडा (9,663) और गुरदासपुर (8,735) में भी उल्लेखनीय आपातकालीन प्रतिक्रियाएं दर्ज की गई, जो शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में सेवा की मजबूत पहुंच को दशार्ती हैं। मासिक आंकड़ों के अनुसार अगस्त में सर्वाधिक 18,837 मामले दर्ज किए गए, जबकि जुलाई (18,186) और सितंबर (18,340) में भी लगातार उच्च स्तर की सेवाएं दी गई। फरवरी जैसे अपेक्षाकृत कम मांग वाले महीने में भी 14,084 मामलों को संभालते हुए सेवा ने निर्बाध संचालन बनाए रखा। आपातकालीन सेवाओं के अलावा, 158 प्रसव एम्बुलेंस में ही सफलतापूर्वक करवाए गए, जो मातृ स्वास्थ्य सहायता में सेवा की महत्वपूर्ण भूमिका को दशार्ता है। कुल मिलाकर 2011 से 31,77,997 लोगों को लाभान्वित कर 108 एम्बुलेंस सेवा ने राज्य की भरोसेमंद स्वास्थ्य जीवनरेखा के रूप में अपनी पहचान मजबूत की है।

भरतनाट्यम में नृत्यांगना रिशिका बिश्नोई रही अव्वल

दलजीत अज्नोहा

होशियारपुर/यूटर्न/28 अप्रैल। प्राचीन कला केंद्र चंडीगढ़ द्वारा आयोजित भरतनाट्यम संगीत भूषण फाइनल शिक्षा सत्र 2025 की परीक्षा में नृत्यांगना रिशिका बिश्नोई ने 73.3 प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण कर अपने हूनर का परिचय देकर यह सिद्ध कर दिया की क्षेत्र चाहे कोई भी हो सेवा का हो या कला का रहूंगी तो अव्वल।

नृत्य में विशेष लगाव रखने वाली बालिका रिशिका बिश्नोई ने मात्र चार वर्ष की उम्र में ही भरतनाट्यम को तनाव मुक्ति का कारण मानते हुए नृत्य ओर कला में कठिन मेहनत प्रारंभ कर दी। ऋषिका बिश्नोई का मानना है कि आज के तनाव भरे युग में संगीत एवम नृत्य एक साधना हैं इस साधना में गुरू अपना रूप अपने शिष्यों में निहारता है। भारतनाट्यम में आज भी गुरू शिष्य पद्धति की जीवन्त हैं। मानव सेवा से सम्मान प्राप्त कर द मोस्ट इंस्पायरिंग गर्ल ऑफ अर्थ का खिताब हासिल करने वाली नन्ही नृत्यांगना अपनी इस सफलता का श्रेय अपनी मम्मी अधिवक्ता निशा बिश्नोई पिता डॉ भूपेन्द्र वास्तुशास्त्री, गुरू सरस्वती शर्मा व दादा गुरु राजेश शर्मा को प्रदान करती हैं।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372